सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

भारतीय टीम को दूसरा टेस्ट जीतने आक्रामक रणनीति अपनानी -पेज: 7

कोंकणा सेन शर्मा ने अपने अगले डायरे टोरियल प्रोजे ट के बारे में -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 226 | मंगलवार 25 नवम्बर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

ऑपरेशन सिंदूर सशस्त्र बलों के तालमेल का बेहतर उदाहरण : जनरल द्विवेदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा कि सशस्त्र बलों की ताकत तालमेल में निहित है और ऑपरेशन सिंदूर इसका श्रेष्ठ उदाहरण है। वे मुंबई में माहे श्रेणी के प्रथम पनडुब्बी रोधी उथले जल के युद्धपोत आईएनएस माहे के जलावतरण के मौके पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बहु-क्षेत्रीय परिचालन के युग में समुद्र की गहराई से लेकर ऊंचाई वाले सीमावर्ती क्षेत्रों तक एक साथ मिलकर कार्य करने की देश की क्षमता भारतीय गणराज्य के सुरक्षा प्रभाव को निर्धारित करेगी। इस मौके पर जनरल द्विवेदी ने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर सशस्त्र बलों के तालमेल का बेहतर उदाहरण था।'' भारत ने अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान में आतंकी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर ऑपरेशन सिंदूर के तहत सैन्य कार्रवाई की थी।

उत्तराखंड के टिहरी में बस खाई में गिरी, 5 लोगों की मौत

टिहरी (एजेंसी)। उत्तराखंड के टिहरी जिले के नरेंद्रनगर क्षेत्र में सोमवार को करीब 28 यात्रियों को ले जा रही एक बस के गहरी खाई में गिरने से पाँच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) के अधिकारियों के अनुसार, जिला नियंत्रण कक्ष ने एसडीआरएफ वाहिनी नियंत्रण कक्ष को दुर्घटना की सूचना दी, जिसमें बताया गया कि वाहन नरेंद्रनगर थाना क्षेत्र में सड़क से फिसल गया था। शुरुआत में बस में 30 से 35 लोगों के सवार होने का अनुमान लगाया गया था। अलर्ट पर कार्रवाई कर एसडीआरएफ ने पोस्ट ढालवाला, पोस्ट कोटी कॉलोनी और एसडीआरएफ कोर मुख्यालय से पाँच टीमों को घटनास्थल पर तैनात किया। एसडीआरएफ अधिकारियों ने घटनास्थल पर पाँच लोगों की मौत की पुष्टि की है। अन्य सभी घायल यात्रियों को खाई से निकालकर इलाज के लिए नज़दीकी अस्पतालों में पहुँचाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि बस में सवार यात्री कथित तौर पर राज्य के बाहर के थे।

भदौही में केमिकल टैंक में गिरने से तीन मजदूरों की मौत

भदौही (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले के उगापुर बाजार स्थित सूर्या कंपनी के डाइंग प्लांट में खौलते केमिकल टैंक में गिरने से तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा सोमवार को लगभग 11 बजे हुआ। घायल मजदूर को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिसकी हालत नाजुक है। पुलिस और जिला प्रशासन (एसडीएम भदौही) मौके पर हैं और हादसे के कारणों की जांच तथा सुरक्षा मानकों की समीक्षा कर रहे हैं। प्लांट परिसर में हड़कंप और मजदूरों में रोष व भय का माहौल है। वहीं एक अन्य घटना में नाबालिग लड़की के अपहरण के आरोपी नाबालिग लड़के सूर्यभान यादव (होमगार्ड संजय यादव का बेटा) का शव रविवार को चकवा महावीर के पास स्थित एक तालाब से संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ। सूर्यभान पर एक स्थानीय महिला की नाबालिग बेटी को 27 अक्टूबर को अपहरण करने का आरोप था (रिपोर्ट 1 नवंबर को दर्ज हुई थी)। पुलिस ने लड़की और सूर्यभान दोनों को 19 नवंबर को बरामद कर लिया था। एक दिन पहले तालाब के पास से आरोपी की पतलून, बेल्ट, आधार कार्ड और पांच पन्नों का कथित सुसाइड नोट मिला था। मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में संबंधित थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है।

चार नए श्रम कानूनों के विरोध में धनबाद में हुआ विरोध प्रदर्शन

रांची (एजेंसी)। भारतीय ट्रेड यूनियन केंद्र (सीटू) द्वारा झारखंड के धनबाद में आयोजित अपने राज्य सम्मेलन के दौरान केंद्र सरकार के चार नए श्रम कानूनों (लेबर कोड्स) के विरोध को दर्शाती है सीटू इन चार नए लेबर कोड्स को श्रमिक विरोधी और पूंजीपतियों के हित में बनाया गया मानती है। सीटू ने इन कानूनों के विरोध में राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है। सम्मेलन के दौरान, चार नए लेबर कोड और नई श्रमशक्ति नीति 2025 के विरोध में- एक किलोमीटर लंबी मानव श्रृंखला बनाई गई, मोदी सरकार का पुतला दहन किया गया। विरोध-प्रदर्शन का नेतृत्व सीटू के राष्ट्रीय महासचिव तपन सेन (पूर्व राज्यसभा सदस्य) ने किया। सीटू ने बताया कि 26 नवंबर से देशव्यापी आंदोलन की रणनीति तैयार की जा रही है। राजनीतिक-सांगठनिक प्रतिवेदन पर बहस के बाद सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया। केंद्र सरकार की नई श्रमशक्ति नीति 2025 और लेबर कोड वापस लिए जाएं। सार्वजनिक क्षेत्र के निजीकरण का विरोध किया जाए। किसान-मजदूर एकता को मजबूत किया जाए। 26 नवंबर को कार्यस्थलों और जिला मुख्यालयों पर जुझारू विरोध-प्रदर्शन किए जाएं।

पंकजा मुंडे का पीए गिरफ्तार, पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप

मुंबई(एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री पंकजा मुंडे के निजी सहायक (पीए) अनंत गर्जे को अपनी पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि गर्जे की पत्नी डॉ गौरी पालवे (28) ने कथित तौर पर घरेलू विवाद के कारण वर्ली स्थित अपने फ्लैट में फंदे से लटकर आत्महत्या कर ली। पालवे के पिता द्वारा दर्ज कराई शिकायत के आधार पर पुलिस ने गर्जे और उसके दो रिश्तेदारों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। इसके बाद पुलिस ने गर्जे को गिरफ्तार किया। दोनों का विवाह इसी साल फरवरी में हुआ था और पालवे सरकारी केईएम अस्पताल में दंत चिकित्सक के रूप में कार्यरत थीं। पुलिस के मुताबिक पालवे के परिवार ने आरोप लगाया है कि उसके पति ने उसे प्रताड़ित और परेशान किया था, इसकारण महिला ने आत्मघाती कदम उठाया।

'सिनेमा के एक युग का अंत, पीएम मोदी, राष्ट्रपति मुर्मु समेत इन नेताओं ने धर्मेंद्र को किया याद

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन पर प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रपति मुर्मु और अन्य नेताओं ने शोक व्यक्त किया। उन्होंने धर्मेंद्र को एक महान कलाकार और प्रेरणास्रोत बताया, जिनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। नेताओं ने उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना व्यक्त की और उनके साथ बिताए पलों को याद किया।

नई दिल्ली। बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर और 'ही-मैन' के नाम से मशहूर धर्मेंद्र का 89 साल की उम्र में निधन हो गया। मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में उन्होंने आखिरी सांस ली। उनके निधन का समाचार सुनकर फिल्म जगत से लेकर राजनेताओं और प्रशंसकों में शोक की लहर दौड़ गयी। पीएम नरेन्द्र मोदी ने उनके निधन पर दुख जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, 'धर्मेंद्र जी के जाने से इंडियन सिनेमा में एक युग का अंत हो गया है। वह एक आइकॉनिक फिल्म पर्सनैलिटी थे, एक जबरदस्त एक्टर थे जो अपने हर रोल में चार्म और गहराई लाते थे। जिस तरह से उन्होंने अलग-अलग रोल किए, उसने अनगिनत लोगों के दिलों को छुआ है। धर्मेंद्र जी अपनी सादगी, विनम्रता और प्यार के लिए भी उतने ही जाने जाते थे। इस दुख की घड़ी में, मेरी दुआएं उनके परिवार, दोस्तों और अनगिनत फैंस के साथ हैं। ओम शांति।' इससे पहले राष्ट्रपति मुर्मु ने धर्मेंद्र के निधन को अपूरणीय क्षति बताया। राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'वरिष्ठ अभिनेता और पूर्व सांसद धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के लिए एक अपूरणीय क्षति है। वे सबसे लोकप्रिय अभिनेताओं में से एक थे, उन्होंने अपने दशकों लंबे शानदार करियर में कई यादगार प्रस्तुतियां दीं।' गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा, 'अपने बेहतरीन अभिनय से 6 दशकों तक हर देशवासी के दिल को छूने वाले धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। एक सामान्य परिवार से आकर उन्होंने फिल्म जगत में अपनी पहचान बनाई। ईश्वर पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और उनके परिजनों व प्रशंसकों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। ॐ शांति शांति शांति।' कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी एक्टर के निधन पर शोक व्यक्त किया। एक एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'भारतीय फिल्म जगत ने आज एक बहुमूल्य सितारा खो दिया। मशहूर अभिनेता धर्मेंद्र अब हमारे बीच नहीं रहे। 2012 में पद्मभूषण से सम्मानित, धर्मेंद्र ने दशकों तक सिनेमा प्रेमियों के दिलों पर राज किया और अपने अभूतपूर्व अभिनय व सादगीपूर्ण जीवन से एक गहरी छाप छोड़ी। दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र के निधन पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी शोक जताया। उन्होंने एक एक्स पोस्ट में लिखा, 'महान अभिनेता धर्मेंद्र जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है और भारतीय कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। सिनेमा में लगभग सात दशकों के उनके अद्वितीय योगदान को हमेशा सम्मान और मोहब्बत के साथ याद रखा जाएगा।' धर्मेंद्र के निधन पर एनसीपी (सपा) प्रमुख शरद पवार ने हगर शोक व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि 1960 के दशक में इंडियन सिनेमा में डेब्यू करने वाले और फिल्मों में आम लोगों की कहानियों में अहम रोल निभाने वाले, इंडियन ऑडियंस का दिल जीतने वाले और सिनेमा की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाले मशहूर एक्टर धर्मेंद्र देओल आखिरकार मौत से जंग हार गए। आज के युवाओं को शायद यह पता न हो, लेकिन एक पीढ़ी उनके चार्म, उनके हेयरस्टाइल और उनके कॉस्ट्यूम की फैन थी। 'शोले' में उनका निभाया रोल 'वीरू' आज भी इंडियन फैंस के दिलों में गहरी दोस्ती और एक टफ हीरो की पहचान के तौर पर छाया हुआ है। जेपी नड्डा ने किया याद धर्मेंद्र के निधन पर स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी शोक जताया। उन्होंने लिखा, "प्रख्यात फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र का निधन भारतीय सिनेमा और कला जगत के लिये अपूरणीय क्षति है। अपने प्रभावी अभिनय से सिनेमा प्रेमियों के दिलों पर उन्होंने अमिट छाप छोड़ी है। अपनी सादगी और जीवंत अभिनय से उन्होंने दशकों तक देश और दुनिया के कला प्रेमियों के दिलों पर राज किया। इस कठिन समय में शोक संतप्त परिवार और उनके प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।" अखिलेश यादव का धर्मेंद्र पर पोस्ट अखिलेश यादव ने धर्मेंद्र को याद करते हुए लिखा, "सालों साल देश के चित्रपट के आकाश पर चमकमाए धर्मेंद्र का जमीन से जुड़ा सादगी भरा आकर्षक व्यक्तित्व और उनका सहज अभिनय हमेशा याद किया जाएगा।"

आईआरसीटीसी घोटाला: मामले की सुनवाई कर रहे जज को बदलने की मांग

-बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने मुकदमे में पक्षपात की जताई आशंका

पटना (एजेंसी)। बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट के प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट जज की कोर्ट में याचिका दायर कर आईआरसीटीसी घोटाले की सुनवाई कर रहे जज विशाल गोगने की अदालत से अपना केस किसी और जज के पास ट्रांसफर करने की अपील की है। राबड़ी ने मुकदमे में पक्षपात की आशंका जताई है। गोगने की अदालत में लालू यादव और राबड़ी देवी के परिवार से जुड़े चार मामले की सुनवाई चल रही है। 13 अक्टूबर को अदालत ने लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव समेत अन्य आरोपियों पर आरोप गठित किया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राबड़ी देवी ने अपनी याचिका में आईआरसीटीसी घोटाला, नौकरी के बदले जमीन घोटाला जैसे मामले दूसरे जज के पास ट्रांसफर करने की गुजारिश की है। राबड़ी ने एमपी-एमएलए कोर्ट के जिला जज की अदालत में दायर इस याचिका में अपने मुकदमों के जज पर पूर्वाग्रह से ग्रस्त होकर सुनवाई करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि जज अभियोजन पक्ष की तरफ झुके हैं। उन्होंने याचिका में लिखा है कि उनके खिलाफ मुकदमों की सुनवाई और उस दौरान दिए गए आदेशों से उन्हें पक्षपात की आशंका है, इसलिए न्यायपूर्ण सुनवाई के लिए मामले को दूसरे जज की कोर्ट में ट्रांसफर किया जाए।

राबड़ी देवी के वकील ने इस बात की जानकारी संबंधित जज को दी और उन्हें बताया कि इस पर जल्द सुनवाई हो सकती है। संभावना है कि इस अपील पर मंगलवार को सुनवाई हो सकती है। मामले में चार्ज फ्रेम का चरण पूरा हो चुका है। लालू परिवार पर रेलवे की नौकरी दिलवाने के बदले भी औने-पौन भाव पर बेशकीमती जमीन लेने का आरोप है, जिसको लेकर ईडी का मुकदमा भी चल रहा है।

अरुणाचल निवासी महिला से शंघाई एयरपोर्ट पर बदसलूकी, चीनी अफसरों ने कहा... अरुणाचल चीन का हिस्सा

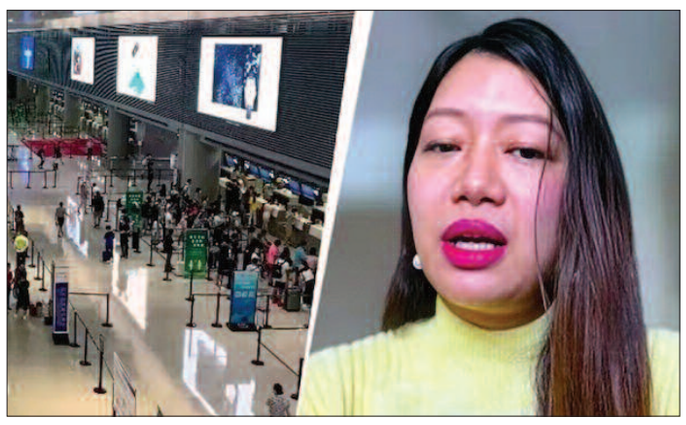

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश निवासी एक महिला ने आरोप लगाया कि चीन में अधिकारियों ने उसके भारतीय पासपोर्ट को पहचानने से मना किया। महिला का कहना है कि इमिग्रेशन अफसरों ने इतना तक कहा कि अरुणाचल चीन का हिस्सा है। महिला का कहना है कि चीनी इमिग्रेशन अफसरों ने शंघाई एयरपोर्ट पर उसके साथ दुर्व्यवहार किया। इतना ही नहीं महिला को हिरासत में लेकर घंटे तक प्रताड़ित किया गया। भारतीय मूल की यह महिला ब्रिटेन में रहती है। इस महिला का नाम प्रेमा वांगजोम थोंकडोक है। वह 21 नवंबर को लंदन से जापान की यात्रा कर रही थी। यात्रा के दौरान वह शंघाई पुडांग एयरपोर्ट पर ट्रांजिट हाल्ट के लिए ठहरी थी। महिला का आरोप है कि इमिग्रेशन काउंडर पर अधिकारियों ने उसके पासपोर्ट को अवैध बताया। ऐसा करने की वजह यह थी पासपोर्ट पर महिला का जन्मस्थान अरुणाचल प्रदेश लिखा था।

महिला ने कहाकि इमिग्रेशन के बाद मैंने अपना पासपोर्ट जमा किया और सिक्योरिटी का इंतजार करने लगी। तभी अधिकारी आया और मेरा नाम लेकर इंडिया-इंडिया चिल्लाने लगा। वह मेरी तरफ इशारा भी कर रहा था। महिला के मुताबिक इस पर जब मैंने पूछा, तब वह मुझे इमिग्रेशन डेस्क पर ले गया और कहा कि अरुणाचल, वैध पासपोर्ट नहीं। इस पर जब महिला ने पूछा कि आखिर उसका भारतीय पासपोर्ट वैध क्यों नहीं है? इस पर उस अधिकारी ने कहा कि अरुणाचल चीन का हिस्सा है।

इसके बाद प्रेमा ने याद किया कि बीते साल भी जब शंघाई ट्रांजिट किया था, जब ऐसा कुछ नहीं हुआ था। महिला का यह भी कहना है कि कई अन्य इमिग्रेशन अधिकारियों और चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस स्टाफ ने उसका मजाक उड़ाया। इतना ही नहीं इन लोगों ने चीनी पासपोर्ट के लिए अप्लाई करने की सलाह दे डाली।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद वह एक ब्रिटिश दोस्त के सहारे किसी तरह शंघाई के भारतीय कांसुलेट पहुंची। इसके बाद वहां भारतीय अधिकारियों ने महिला की मदद की। अब प्रेमा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य अधिकारियों को चिट्ठी लिखी है। महिला ने भारतीय सरकार से अनुरोध किया है कि वह इस मामले को बीजिंग में अधिकारियों के सामने उठाए।

कर्नाटक कांग्रेस में दबाव की राजनीति या कुछ और करने दिल्ली पहुंचे शिवकुमार समर्थक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में सत्ता परिवर्तन के लिए दबाव की राजनीति जारी है। इसके चलते उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थक विधायक दिल्ली पहुंच रहे हैं। दो समूह पहले ही दिल्ली में डेरा डाले हुए थे, वहीं अब तीसरा समूह, जिसमें लगभग 6 से 8 विधायक शामिल बताए जा रहे हैं, भी राजधानी पहुंच गए हैं। सूत्रों के अनुसार, शिवकुमार गुट के विधायक चाहते हैं कि कांग्रेस हाईकमान नेतृत्व, सत्ता संतुलन और संगठन से जुड़े मामलों पर स्पष्ट रुख दिखाए। पिछले एक हफ्ते में यह तीसरी बार है जब शिवकुमार समर्थक विधायक दिल्ली पहुंचे हैं। लगातार यात्राओं ने बेंगलुरु से दिल्ली तक राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है।

बेंगलुरु में हैं खड़गे

शिवकुमार समर्थक विधायक भले ही दिल्ली में मुलाकात का समय मांगते हुए डटे हैं, लेकिन इस समय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे खुद बेंगलुरु में हैं। सूत्र बताते हैं कि खड़गे की दिल्ली वापसी फिलहाल टाल दी गई है और वे लगातार राज्य के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकें कर रहे हैं। इससे साफ जाहिर हो रहा है कि पार्टी केंद्रीय नेतृत्व किसी जल्दबाजी में कोई फैसला लेने के पक्ष में नहीं है। बेंगलुरु में नेताओं की लगातार बैठकें और दिल्ली में विधायकों की लामबंदी—दोनों घटनाक्रमों को कर्नाटक कांग्रेस में बढ़ते असंतोष से जोड़ा जा रहा है। हाल ही में हुई डिनर मीटिंग में भी कई नेताओं ने नेतृत्व से कहा था कि वे मौजूदा स्थिति पर स्पष्ट निर्णय दें, जिससे संगठन में बन रही असमंजस की स्थिति खत्म हो सके। हालांकि पूरे घटनाक्रम पर वरिष्ठ नेता खुलकर टिप्पणी करने से बच रहे हैं।

अयोध्या राम मंदिर ध्वजारोहण पर शंकराचार्य ने उठाए सवाल; कहा- पूरा कार्यक्रम ही शास्त्र के विपरीत

वाराणसी (एजेंसी)। अयोध्या में कल 25 नवंबर को एक भव्य ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संघ प्रमुख मोहन भागवत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सहित कई लोग शिरकत करेंगे। यह भव्य आयोजन ट्रस्ट बड़े ही विशाल रूप में कर रहा है, जिसे लेकर तैयारियां और अनुष्ठान जारी है। वहीं, ध्वजारोहण को लेकर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि शास्त्रों में कहीं ध्वजारोहण जैसी चीज मंदिरों के लिए है ही नहीं। ध्वज बदलने की परंपरा है। यहां सिर्फ और सिर्फ सब मनमाने तरीके से किया जा रहा है। शास्त्रों का कोई ध्यान नहीं रखा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि 25 तारीख को ध्वजारोहण का कार्यक्रम हो रहा है। मेरे हिसाब से शास्त्र में ऐसा उल्लेख कहीं नहीं है कि मंदिर पर ध्वजारोहण किया जाए। ध्वजारोहण का कार्यक्रम धार्मिक रूप से कहीं नहीं होता है। मैंने कहीं पढ़ा भी नहीं है। ध्वज बदला जाता है, एक बार जब ध्वज स्थापित होता है। शिखर की प्रतिष्ठा होती है उसके बाद यहां तो शिखर की प्रतिष्ठा हुई ही नहीं। कहा भी न ही कहा जा रहा है कि शिखर की प्रतिष्ठा होगी। मैं जहां भी देख रहा हूं वह यही कह रहे हैं।

उन्होंने कहा कि चंपत राय भी ध्वजारोहण की बात कह रहे हैं। धीरे-धीरे ध्वज ऊपर जाएगा। ध्वजारोहण शब्द शास्त्र में कहीं है ही नहीं, आरोहण का क्या मतलब हुआ, धीरे-धीरे राष्ट्रध्वज ऊपर जाता है, ऐसे कहीं ध्वज मंदिर के ऊपर चढ़ने की परंपरा है ही नहीं। उन्होंने कहा किसी मंदिर में ध्वजारोहण होता ही नहीं है। भगवान जगन्नाथ जी के मंदिर में प्रतिदिन ध्वज बदला जाता है। एक व्यक्ति ध्वज लेकर ऊपर जाता है और उसे बदलता है उसका आरोहण नहीं होता है। द्वारिका जी में एक दिन में तीन से

चार ध्वज बदला जाता है। वहां भी ध्वजारोहण नहीं होता है। ध्वज का बदला जाना तब होगा, जब पहले वहां ध्वज और शिखर की प्रतिष्ठा हो। ऐसी कोई बात कही नहीं जा रही की शिकार की प्रतिष्ठा हो शास्त्र के अनुसार या उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम में हमारे भाग लेने का कोई तात्पर्य ही नहीं है। अयोध्या के ट्रस्ट का मन कुछ भी शास्त्र अनुसार करने का नहीं दिखाई पड़ रहा है। उनका कहना है कि इस पूरे आयोजन में शंकराचार्य को बुलाया ही नहीं गया है। मैंने तो शास्त्रों में ऐसा उल्लेख पढ़ा ही नहीं है, जो वहां होने जा रहा है। वहां पर सब कुछ मनमाना किया जा रहा है।

आतंकवाद समर्थकों व युवाओं को कट्टरपंथ की ओर धकेलने वालों पर हो सख्त कार्रवाई

जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने सुरक्षा समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

जबलपुर (एजेंसी)। जम्मू,(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक में उन्होंने अधिकारियों को आतंकवाद के समर्थकों और युवाओं को कट्टरपंथ की ओर धकेलने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सिन्हा ने आतंकवादियों के खिलाफ खुफिया अभियानों को तेज करने के लिए कहा। साथ ही आतंकी संगठनों की ओर से कट्टरपंथ और वित्तपोषण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले डिजिटल मंचों की निगरानी के लिए ठोस प्रयास करने को भी कहा।

एलजी सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर पुलिस को आतंकवादी नेटवर्क को ध्वस्त करने में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के वित्तपोषण, नार्को-आतंकवाद संबंधों, आतंकी समर्थकों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई के साथ आतंकवाद का मुकाबला करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ कतई सहन नहीं करने की नीति पर जोर देते हुए कहा कि हमारे समन्वित प्रयास यह तय करेंगे कि जम्मू-कश्मीर से आतंकवादी पारिस्थितिकी तंत्र पूरी तरह से खत्म हो।

सिन्हा ने अधिकारियों को उभरती सुरक्षा चुनौतियों के प्रति सतर्क और चौकस रहने के निर्देश दिए। सूत्रों के मुताबिक सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा करने के साथ-साथ, सर्दियों की तैयारियों, खासकर अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा के हालात का भी जायजा लिया। उन्हें जम्मू-कश्मीर में टेरर इकोसिस्टम को खत्म करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में भी जानकारी दी।

संपादकीय

'इंडिया' अस्तित्व में या नहीं?

बिहार में करारी पराजय के बाद विपक्ष एक बार फिर विभाजित होता लग रहा है। ह्यइंडियाह्ण ब्लॉक अथवा महागठबंधन कभी अस्तित्व में थे अथवा नहीं, यह भी स्पष्ट नहीं है, क्योंकि उनके घटक दल एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ते रहे हैं। बिहार इसका ताजातरीन उदाहरण है। अब दो विरोधाभासी बयान सामने आए हैं। एक तो ह्यइंडियाह्ण गठबंधन को लेकर है कि अब उसकी कोई जरूरत नहीं है, लिहाजा कांग्रेस ने राजद और सपा से अलग होने की घोषणा की है। जिन सूत्रों से यह खबर सार्वजनिक हुई, उनका दावा है कि यह खुद गांधी परिवार का निर्णय है। लेकिन कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इस निर्णय का खंडन किया है। अलबत्ता यह घोषणा जरूर की गई है कि पश्चिम बंगाल, असम के चुनाव में कांग्रेस 'एकला' ही लड़ेगी। केरल में न तो 'इंडिया' था और न ही गठबंधन संभव है, क्योंकि वहां कांग्रेस प्रमुख विपक्षी दल है और 10 साल से सत्ता के बाहर है। वाममोर्चा सरकार में है। तमिलनाडु में भी चुनाव 2026 के अप्रैल-मई में होने हैं। अभी तक द्रमुक सरकार के सहारे कांग्रेस सत्ता में भागीदार है। नए समीकरणों की फिलहाल कोई घोषणा नहीं है। कांग्रेस बीते 58 साल से तमिलनाडु में अपना मुख्यमंत्री निर्वाचित नहीं करा पाई है। बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस आधी-अधूरी ही 'इंडिया' गठबंधन में है। वह इस गठबंधन के घटक होने का दावा तो करती रही है, लेकिन कांग्रेस सरीखे प्रमुख घटक दल के साथ गठबंधन नहीं करती। दोनों संसदीय और विधानसभा चुनाव अलग-अलग लड़ते हैं। इस बार भी गठबंधन के कोई आसार नहीं हैं, क्योंकि अब कांग्रेस 'एकला' ही अपनी राजनीतिक लड़ाई लड? के मूड में है या उसकी राजनीतिक बाध्यता है। सवाल है कि जब ऐसी स्थिति है, तो बिहार की पराजय के बाद ममता बनर्जी के चंपुओं ने यह शोर मचाना क्यों शुरू किया कि ममता को 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व सौंपना चाहिए। एक और आवाज उप्र से गूंजने लगी है कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को 'इंडिया' ब्लॉक का प्रमुख चुनना चाहिए। उप्र में 2027 में विधानसभा चुनाव हैं। लोकसभा में भाजपा के 240 और कांग्रेस के 99 सांसदों के बाद सपा 37 सांसदों वाली तीसरी बड़ी पार्टी है। उप्र में 1989 और बंगाल में 1977 के बाद कांग्रेस सत्ता में नहीं है, लेकिन 'इंडिया' गठबंधन का आकलन किया जाए, तो कांग्रेस के बिना विपक्षी गठबंधन के अस्तित्व की कल्पना ही नहीं की जा सकती। कांग्रेस बनाम सपा, तृणमूल, द्रमुक के दरमियान, निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों के आधार पर, फासले बेहद व्यापक हैं। यदि 'इंडिया' के अस्तित्व को बरकरार रखना है, तो कांग्रेस के नेतृत्व को नकारना असंभव है। फिर वह नेतृत्व मल्लिकार्जुन खडगे का हो अथवा राहुल गांधी का हो! दरअसल कांग्रेस ही 'इंडिया' गठबंधन की बुनियाद है। उसकी अपनी तीन राज्य सरकारें हैं और 650 से अधिक विधायक हैं।

मात्र 51 रुपये मिले थे धर्मेंद्र को पहली फिल्म के!

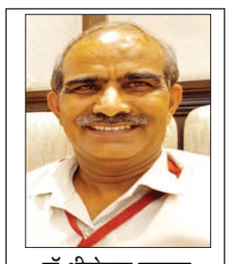
डॉ श्रीगोपाल नारसन

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र ने 89 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया है। धर्मेंद्र के निधन से देओल परिवार समेत पूरे सिनेमा जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। धर्मेंद्र ने सन 1960 में फिल्म दिल भी तेरा हम भी तेरे से बॉलीवुड में कदम रखा था। शुरूआती दौर में उन्होंने अनपढ़, बंदिनी, अनुपमा और आया सावन झूम के जैसी फिल्मों में आम आदमी के किरदार निभाए। बाद में वे एक्शन और कॉमेडी के बड़े स्टार बने. शोले, धरम वीर, चुपके चुपके, मेरा गांव मेरा देश और ड्रीम गर्ल जैसी सुपरहिट फिल्मों में उन्होंने लीड रोल किए। हाल ही में वे शाहिद कपूर और कृति सेनन की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में वे नजर आए थे। उनकी अगली फिल्म इक्कीस है, जिसमें अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 25 दिसंबर को रिलीज होगी। धर्मेंद्र ने अपने करियर में सदा बहार अभिनेता बलराज साहनी, राज कपूर, संजीव कुमार, अमिताभ बच्चन और अमरीश पुरी के साथ काम किया। साथ ही धर्मेंद्र आज की पीढ़ी के कलाकारों के साथ भी फिल्मों में नजर आए। उन्होंने रणवीर सिंह, शाहिद कपूर, आलिया भट्ट सहित अन्य कलाकारों के साथ भी काम किया। धर्मेंद्र ने सन 1960 के दशक में बॉलीवुड डेब्यू किया था और अब तक फिल्मों में एक्टिव रहे। एक्टिंग के अलावा उन्होंने कई फिल्मों को प्रोड्यूस भी किया और खूब दौलत भी कमाई। उन्हें फिल्मी दुनिया का ही-मैन कहा जाता था। धर्मेंद्र कई दशक फिल्मों में काम किया । उन्होंने फिल्म आंखें, शिकार, आया सावन झूम के, जीवन मृत्यु, मेरा गांव मेरा देश, सीता और गीता, राजा जानी , जुगनू, यादों की बारात, दोस्त, शोले, प्रतिज्ञा, चरस, धरम वीर, गुलामी, हुकूमत, आग ही आग, ऐलान-ए-जंग और तहलका में अपने काम का लौहा मनवाया।

सन 1990 के दशक के अंत में, वह कई सफल और प्रशंसित फिल्मों में चरित्र भूमिकाएं निभाते हुए दिखाई दिए। इन फिल्मों में,प्यार किया तो डरना क्या, लाइफ इन एड्ब मेट्रो, अपने, जॉनी गद्दार, यमला पगला दीवाना और इधर कुछ सालों में वे रॉकी और रानी की प्रेम कहानी और तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया शामिल है। सन 1997 में, उन्हें बॉलीवुड में उनके योगदान के लिए फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार मिला। वह भारत की 15वीं लोकसभा के सदस्य रहे, और भारतीय जनता पार्टी से राजस्थान के बीकानेर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

धर्मेंद्र ने मात्र 19 वर्ष की आयु में सन 1954 में प्रकाश कौर से शादी की थी, जिससे उनके चार बच्चे हुए, दो बेटियां और दो बेटे। उनके बेटे सनी देओल और बॉबी देओल बॉलीवुड के सुपरस्टार्स बने। फिर उन्होंने दूसरी शादी सन 1980 में फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी से की, इस शादी से उनकी दो बेटियां हुईं- ईशा देओल और अहाना देओल। ईशा ने भी फिल्मों में काम किया है। धर्मेंद्र को फिल्मों में पहला ब्रेक डायरेक्टर अर्जुन हिंगोरानी ने दिया था। फिल्म थी दिल भी तेरा हम भी तेरे और यह 1960 में रिलीज हुई। इस फिल्म के लिए धर्मेंद्र को सिर्फ 51 रुपये मिले थे। इस फिल्म के बाद भी धर्मेंद्र ने अर्जुन हिंगोरानी के साथ जि?तनी भी फि?ल?में कीं, उसके लिए नाम मात्र ही पैसे लिए। उनके कुल 6 बच्चे हैं और 13 नाती-पोते हैं। सन 2025 की शुरूआत में उनकी कॉर्निया ट्रांसप्लांट सर्जरी हुई थी। धर्मेंद्र की बाईं आंख का कॉर्निया डैमेज हो गया

था, जिसका बाद में ट्रांसप्लांट किया गया था। इससे पहले 2018 से 2020 के आसपास धर्मेंद्र को कई बार मांसपेशियों में खिंचाव और कमर दर्द की की शिकायत हुई थी। उन्हें कमजोरी भी आ गई थी। उन्होंने अपने जीवन का आखिरी समय अपने फार्म हाऊस में खेती कार्य करते हुए बिताया। सदा बहार फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र को मेरा शत शत नमन।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार व चिंतक है)

प्रतीकों के सियासी टोटके फिर भी नाकाम!

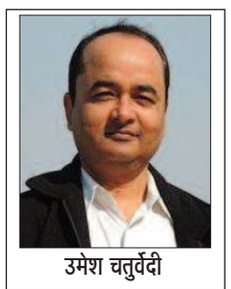
उमेश चतुर्वेदी

चुनाव नतीजों के बाद बिहार के सियासी गलियारों में एक लतीफा चल पड़ा है। मुकेश सहनी ने तालाब में कूद कर एक मछली पकड़ी, उसे बड़ी हसरत के साथ राहुल गांधी को थमाया, लेकिन राहुल के हाथ से वह मछली भी फिसल गई। जो सहनी महागठबंधन के उप मुख्यमंत्री उम्मीदवार थे, उसके हाथ सिफर ही लगा है। बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान मुकेश के साथ राहुल गांधी और कन्हैया कुमार तालाब में कूद गए थे। 'सन ऑफ मल्लाह' के साथ दोनों का तालाब में कूदना दरअसल लोक से जुड़ने का सियासी टोटका था, लेकिन चुनाव नतीजों से साफ है कि ये सियासी टोटके एक बार फिर नाकाम रहे।

राजनीति में प्रतीकों के जरिए लोकसंदेश की स्थापित परंपरा है। शिखर नेता और शीर्ष राजनीतिक परिवार लोगों से रस्मी घुलना-मिलना, उनकी सदाशयता और सादगी के प्रतीक के रूप में स्थापित हो गया है। किसी हस्ती का सामान्य दिखना और आम लोगों जैसे काम करना वोटरों के समर्थन की गारंटी माना जाता रहा है। यही वजह है कि कांग्रेस के प्रथम परिवार के राहुल जब भी ऐसा करते हैं, उनसे उम्मीदें बढ़ जाती हैं। यह बात और है कि राजनीति में कामयाबी पाने का यह टोटका कांग्रेस के लिए मुफीद नहीं रहा है।

बिहार में बीते तीन महीनों में राहुल गांधी ने आम आदमी बनने की दो कोशिशें कीं । ह्यवोटर अधिकार यात्राह्ण के दौरान मोजे पहने ही मखाने के पानीभरे खेत में वे उतरे और बाद में चुनाव प्रचार के दौरान मुकेश सहनी के साथ मछली पकड़ने के लिए गंदले तालाब में उतर गए। राहुल जब ऐसा करते हैं, बौद्धिकों का एक तबका इसे अभूतपूर्व कदम साबित करने लगता है। बहुत तो इसमें राहुल के दिल की नरमी भी खोज लाते हैं। सोनीपत में जब राहुल ने धान-रोपाई की और ट्रैक्टर चलाया, तब भी ऐसी ही उम्मीदों के पंख लग गए थे । 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दोनों चरणों में भी ऐसे कई सारे नजारे दिखे। तब एक वर्ग की नजर में राहुल की ऐसी कोशिशों से राजनीति बदलने लगी थी। लेकिन तेलंगाना छोड़, राहुल के ऐसे कदमों का कोई चुनावी फायदा नहीं मिला।

इस प्रसंग में सवाल उठ सकता है कि प्रधानमंत्री भी तो ऐसे काम अक्सर करते हैं। काशी के गंगा घाट और प्रयागराज कुंभ जैसे कई मौकों और जगहों पर मोदी सफाई कर्मचारियों का पैर धो चुके हैं, उनके साथ भोजन कर चुके हैं, अयोध्या में अचानक गरीबों के घर पहुंच नेह जताते रहे, किसी परियोजना के पूरा होने के बाद उसमें श्रमस्वेद बहा चुके मजदूरों संग खाना खाते रहे हैं। तो उन पर ऐसे सवाल क्यों नहीं उठते। ऐसा नहीं कि सवाल नहीं उठते। वैचारिक खांचे में बंटी राजनीति और समाज में महज विरोध के लिए सवाल उठते रहे हैं। जिनका जवाब बीजेपी की बजाय वोटर देते रहे हैं।

सवाल है कि राहुल के लोक लुभावन कदमों के बावजूद लोग कांग्रेस के साथ क्यों नहीं खड़ा हो रहे? कुछ महीने पहले कांग्रेस के अंदरूनी हलके में वरिष्ठ नेताओं से पार्टी को उबारने को लेकर राय मांगी गई थी। तब कुछ नेताओं ने अपने घनिष्ठ प्रबुद्ध लोगों की राय मांगी थी। ये पता नहीं कि नेताओं ने पार्टी को सफलता के गुर सुझाए या नहीं । वैसे कांग्रेस के जैसे अंदरूनी हालात हैं, शायद ही कोई नेता सही और वाजिब राय देने का साहस जुटा पाए। सियासी नाकामी से उबारने का नुस्खा वरिष्ठ कांग्रेसियों के पास भी है। चूंकि यह नुस्खा बेहद कड़वा है। डर ये है कि कड़वी दवा सुझाना कठिन हो सकता है। लिहाजा राय देने से लोग बच रहे हैं।

स्वाधीनता आंदोलन की प्रतिनिधि पार्टी रही कांग्रेस अखिल भारतीय संगठन से लैस है। सत्तावादी राजनीति के दौर में कांग्रेस इस थाती पर गर्व कर सकती है। लेकिन संगठन को गतिशील बनाने वाले सही मुद्दों और लोकमर्म को छूने वाले विचारों से वह सर्वथा दूर है। राहुल उन्हीं मुद्दों को ज्यादा उछालते हैं, जिन्हें उनके वामपंथी सलाहकार सुझाते हैं। बौद्धिक और अकादमिक जगत इससे चाहे जितना भी आकर्षित हो, जमीनी स्तर पर वह अस्वीकार्य हो चुकी है। निजीकरण की कुछ खामियां हैं, लेकिन भूलना नहीं होगा कि निजीकरण ने चमक-दमक भी बढ़ाई है। भले ही एक वर्ग तक निजीकरण की रोशनी नहीं पहुंच सकी है। उस वर्ग का भी सपना चमक को हासिल करना है। वामपंथी वैचारिकी इसे नहीं समझती। वह जाहिर करती रही है कि अतीत की तरह अब भी समूचा देश अंधेरे में डूबा है। वह भूल जाती है कि देश पर सबसे ज्यादा दिनों तक कांग्रेस का ही शासन रहा है।

जातिवाद कड़वी सच्चाई है। हजारों साल की परंपरा का एकदम खत्म होना संभव नहीं। कड़वा सच है कि जातिवाद को दूर करने और उससे दूर रहने का दावा करने वाली राजनीति और बौद्धिक भी इनसे अछूते नहीं। उनके अंदरूनी खांचे में जातिवाद कई रूपों में मौजूद है। वैसे जाति और धर्म के संदर्भ में समूचे देश और समाज को एक फॉर्मूले से समझना संभव नहीं। कांग्रेस यही गलती दोहरा रही है। राहुल के सलाहकारों की टीम उन्हें इसी फॉर्मूले में बार-बार आगे बढ़ने का सुझाव देती है। अब तो योगेंद्र यादव भी राहुल गांधी के बड़े सलाहकार हैं। समाजवादी दिग्गज किशन पटनायक के शिष्य यादव की सोच पर समाजवाद का कम, वामपंथ का असर ज्यादा है। 1999 में एक्जिट पोल को काला जादू न मानने वाले योगेंद्र को अब बीजेपी की हर जीत में शंका ही नजर आती है। कांग्रेस आलाकमान के तमाम सलाहकार कभी शिक्षा के लालगढ़ की राजनीति के प्रतीक रहे। दुर्भाग्यवश उनकी सामाजिक सोच जमीनी हकीकत की बजाय वामपंथी दर्शन से ज्यादा प्रभावित है। इस टीम के अनुसार ऊंच-नीच और जात-पांत का विचार समूचे देश में एक जैसा है। लेकिन यह अधूरा सच है। समूचा देश ना तो एक तरह से सोचता है ना ही उसका एक-सा व्यवहार है। शीर्ष नेतृत्व की सलाहकार मंडली

अलग-अलग हिस्सों की माटी के रंग, व्यवहार और विचार से कोसों दूर है।

राहुल को इन दिनों अपनी दादी इंदिरा गांधी की याद खूब आती है। लेकिन वे इंदिरा के कई गुणों को अब तक समझ नहीं पाए हैं..। समाज को लेकर इंदिरा की समझ गहरी थी। यही वजह है कि वक्त और इलाके की परंपरा के मुताबिक, किसी इलाके में ठेठ बहू बन जाती थीं, तो किसी इलाके में आधुनिक महिला। कुछ इलाकों में वे अपने सिर पल्लू रखती थीं तो कुछ इलाकों में नहीं। आज इंदिरा रहतीं और वैसा करतीं तो शायद कांग्रेस के मौजूदा सिपहसालारों की नजर में वे दकियानूस मान ली जातीं।

स्वाधीनता आंदोलन के दौरान कांग्रेस की छतरी तले कई विचारधाराएं काम कर रही थीं। इंदिरा काल के किंचित वामपंथीकरण को छोड़ दें तो पार्टी का नजरिया ज्यादातर मध्यमार्गी और समाजवादी ही रहा। इंदिरा काल में वामपंथी प्रभाव इतना नहीं रहा कि वह अपनी बुनियादी विचारधारा को ही बदल दे। लेकिन आज देश की सबसे पुरानी पार्टी पर वामपंथ का खूब असर है। इसलिए उसके मुद्दे भी इसी से प्रभावित हैं। वाम वैचारिकी हर मुद्दे को नैरेटिव विशेष के लिहाज से उछालती है। सांप्रदायिकता,धर्म और जाति से जुड़े उसके विचार पारंपरिकता से इतर हैं। बीजेपी के खिलाफ हर बार सांप्रदायिकता का वामपंथी एजेंडा और नैरेटिव का उठाना इसी मंडली की कारसाजी होती है। इस नजरिया वाली सांप्रदायिकता का प्रतिकार सूत्र बीजेपी ने खोज लिया है। उसके लिए यह पिच आसान हो गई है।

नागरिक कर्तव्यों के अनुपालन से आर्थिक विकास को दी जा सकती है गति

वित्तीय वर्ष 2025-26 में केंद्र सरकार ने भारतीय नागरिकों पर करों का बोझ कम करने का ईमानदार प्रयास किया है। सबसे पहिले आयकर की सीमा को 12 लाख रुपए प्रति वर्ष कर दिया गया (जिसका मतलब है कि 12 लाख रुपए तक की वार्षिक आय वाले नागरिकों को अब आयकर नहीं देना होगा), इसके बाद वस्तु एवं सेवा कर की दरों का युक्तिकरण करते हुए पूर्व में लागू चार दरों (5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत) को केवल दो दरों (5 प्रतिशत एवं 18 प्रतिशत) में परिवर्तित कर दिया गया। इससे भारत में 90 प्रतिशत से अधिक उत्पाद एवं सेवाओं पर करों की दर में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों की दरों में की गई उक्त कमी के चलते नागरिकों के हाथों में खर्च करने हेतु अधिक राशि की बचत हुई है और इसका प्रभाव इस वर्ष दीपावली एवं अन्य त्यौहारों के शुभ अवसर पर उपभोक्ता वस्तुओं एवं सेवाओं की बिक्री में हुई भारी भरकम वृद्धि के रूप में देखने को मिला है। वर्ष 2025 के दीपावली एवं अन्य त्यौहारों के समय 5.40 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि के उत्पाद एवं 65,000 करोड़ रुपए की राशि की सेवाओं की बिक्री हुई है, जो अपने आप में एक रिकार्ड है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी ब्याज दरों में कटौती की है। वर्ष 2025 में रेपो दर को 6.50 प्रतिशत से घटाकर 5.50 प्रतिशत तक नीचे लाया गया है, इससे भारत में नागरिकों एवं उद्योग जगत को सस्ती दरों पर ऋण की सुविधा उपलब्ध हो रही है। दिसम्बर 2025 में भी रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की कमी किये जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इससे ऋणों पर ब्याज दर में और अधिक कमी हो सकती है। साथ ही, अब तो केंद्र सरकार एवं कई राज्य सरकारों द्वारा भी किसानों, बुजुर्गों एवं महिलाओं के बैंक खातों में सीधे ही सहायता राशि जमा की जा रही है, जिससे भारतीय नागरिकों के हाथों में अधिक मुद्रा उपलब्ध हो रही है और वे अधिक मात्रा में बाजार से उत्पादों को खरीदने में सक्षम हो रहे हैं। भारत में, हाल ही के समय में, आम जनता की क्रय शक्ति इसलिए भी बढ़ी है क्योंकि मुद्रा स्फीति की दर पर भी नियंत्रण स्थापित किया जा सका है और खुदरा महंगाई की दर 2 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है, जो 10/12 वर्ष पूर्व तक 10 प्रतिशत के आसपास रहती थी। कुल मिलाकर, अब यह कहा जा सकता है कि भारत 10 प्रतिशत वार्षिक विकास दर को हासिल करने की ओर तेजी से अपने कदम बढ़ा रहा है।

केंद्र सरकार द्वारा 65 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज भी उपलब्ध कराया जा रहा है जिससे भारत में अति गरीब नागरिकों की संख्या तेजी से कम हो रही है। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले करोड़ों नागरिकों को गरीबी की रेखा से ऊपर लाया जा सका है। भारत में लगातार कम हो रही अति गरीब नागरिकों की संख्या की प्रशंसा वैश्विक वित्तीय संस्थानों, विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष आदि, द्वारा भी समय समय पर की गई है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि भारतीय नागरिकों को करों में उक्त वर्णित रियायतें देनें एवं गरीब वर्ग को मुफ्त अन्न उपलब्ध कराने एवं उनके खातों में सीधे सहायता राशि जमा कराने जैसी योजनाओं को चलाने के बावजूद केंद्र सरकार के बजटीय घाटे को लगातार कम करने में सफलता मिल रही है। केंद्र सरकार का बजटीय घाटा कोविड महामारी के खंडकाल में लगभग 10 प्रतिशत तक पहुंच गया था जो प्रतिवर्ष लगातार कम होते होते वर्ष 2026 में 4.4 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आने का अनुमान लगाया गया है। यह सम्भव हो सका है क्योंकि भारत के नागरिकों द्वारा अपने नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर की राशि को ईमानदारी से सरकार के खजाने में जमा कराया जा रहा है। भारत में हाल ही के वर्षों में कर अनुपालन में काफी सुधार दिखाई दिया है।

यह सही है कि किसी भी देश में आर्थिक विकास की दर को तेज करने में, उस देश में, इस संदर्भ लागू की जाने वाली आर्थिक नीतियों का प्रभाव पड़ता है परंतु यदि उस देश में समाज भी सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का प्रयास करे तो आर्थिक विकास की गति को और अधिक तेज किया जा सकता है। अर्थात, समाज को अपने नागरिक कर्तव्यों पर आज और अधिक विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में संघ के स्वयंसेवकों द्वारा पंच परिवर्तन नामक कार्यक्रम को समाज के बीच ले जाने का प्रयास बड़े उत्साह से किया जा रहा है। पंच परिवर्तन कार्यक्रम में 5 बिंदु शामिल हैं - नागरिक कर्तव्य, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण, समरसता एवं स्व के भाव का जागरण (इसमें स्वदेशी अर्थात देश में निर्मित उत्पादों का उपयोग भी शामिल है)। इन 5 आयामों के माध्यम से समाज परिवर्तन के कार्य को गति देने का प्रयास किया जा रहा है, जिसमें भारतीय नागरिकों को अपने नागरिक कर्तव्यों के अनुपालन पर भी विशेष ध्यान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। देश के कानूनों का पालन करना और उनका सम्मान करना नागरिकों की जिम्मेदारी है। इस कर्तव्य को पूरा करने से समुदाय में अनुशासन और सुरक्षा की भावना पैदा होती है। दैनिक जीवन के छोटे छोटे नियमों का पालन करने से सामाजिक अनुशासन का विकास होता है। जैसे, यातायात नियमों का पालन करना। जहां आवश्यक हो वहां वाहन कतार में लगाना। नागरिक कर्तव्य के अंतर्गत नागरिकों से अपेक्षा की जाती है कि वे विभिन्न करों का भुगतान समय पर करें एवं सही राशि का भुगतान करें। यह देश की आर्थिक प्रगति के लिए आवश्यक है। यदि समस्त नागरिक अपने इस कर्तव्य का पालन करते हैं तो भारत में करों की दरों को निश्चित ही और अधिक नीचे लाया जा सकता है। इसी प्रकार, राष्ट्रीय सम्पत्ति की सुरक्षा एवं रखरखाव करना भी नागरिकों का परम कर्तव्य है, जैसे सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता बनाए रखना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना। कभी कभी आम जनता को गुमराह कर आंदोलन हिंसक रूप लेते नजर आते हैं एवं परिणामस्वरूप देश में आगजनी, लूटपाट और राष्ट्रीय सम्पदा की हानि देखने को मिलती है। इस सम्बंध में समाज में जागरूकता पैदा किए जाने की आज सख्त आवश्यकता है। वैसे भी लोकतंत्र की सफलता और स्थिरता नागरिकों की भागीदारी और कर्तव्यों के प्रति सजगता पर निर्भर करती हैं। जब नागरिक अपने कर्तव्यों के प्रति संवेदनशील होते हैं और उनका ईमानदारी से पालन करते हैं तो समाज में सकारात्मक बदलाव आते हैं और देश के आर्थिक विकास की गति तेज होती है। समाज की प्रगति, सुरक्षा और समृद्धि के लिए नागरिकों की अपने कर्तव्यों प्रति संवेदनशीलता तथा कटिबद्धता आवश्यक है। देशभक्ति न केवल अपने देश के प्रति प्रेम और निष्ठा है, बल्कि अपने देश के उत्थान और सुरक्षा में योगदान भी है। एक देशभक्त नागरिक अपने नागरिक कर्तव्यों के प्रति सदैव संवेदनशील एवं जागरूक रहता है। नागरिक एवं सामाजिक अनुशासन का पालन करना ही स्वतंत्र देश में प्रतिदिन प्रकट होने वाली देशभक्ति है।

नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों में मुख्य रूप से शामिल है, (1) संविधान का पालन करना एवं उसके आदर्शों और संस्थाओं, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करना। (2) जिसने हमारे राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम को जन्म दिया प्रेरित होने पर उन ऊंचे आदर्शों को विकसित करना और उनका पालन करना। (3) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता उनका रख-रखाव एवं संरक्षण करना। (4) देश की रक्षा करना और आह्वान किए जाने पर राष्ट्रीय सेवा करना। (5) धार्मिक, भाषाई और क्षेत्रीय या वर्ग मतभेदों को पार करना, भारत के लोगों के बीच एकता और भाईचारे को बढ़ावा देना, महिलाओं की गरिमा को कम करने वाली प्रथाओं को त्यागना। (6) हमारी विविधतापूर्ण सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना और इसे बचाना। (7) वनों, झीलों, नदियों, वन्य जीवों और प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और सुधार करना, जीवित प्राणियों के प्रति दया दिखाना। (8) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवतावाद, जिज्ञासा और सुधरवाद का विकास करना। (9) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करना एवं हिंसा का कठोर त्याग करना। (10) देश में ही निर्मित वस्तुओं का उपयोग करना एवं सनातन संस्कृति के संस्कारों का अनुपालन करना।

भारत के समस्त नागरिक यदि उक्त मौलिक कर्तव्यों का अनुपालन करते हैं तो भारत की आर्थिक विकास दर को 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष के ऊपर ले जाने में किसी प्रकार की अन्य कठिनाई आने वाली नहीं है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारें अपनी ओर से देश के लिए हितकारी आर्थिक नीतियां बनाने की पूरी कोशिश कर रही हैं परंतु भारतीय नागरिक होने के नाते हमें भी अपने नागरिक कर्तव्यों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा तभी हम सब मिलकर मां भारती को एक बार पुनः विश्व गुरु के रूप में आरूढ़ कर पाएंगे।

चिंतन-मनन

ईश्वर का स्वरूप क्या है?

पहले अपने स्वरूप को जानों

एक महात्मा से किसी ने पूछा- ईश्वर का स्वरूप क्या है?

महात्मा ने उसी से पूछ दिया-तुम अपना स्वरूप जानते हो?

वह बोला- नहीं जानता।

तब महात्मा ने कहा- अपने स्वरूप को जानते नहीं जो साढ़े तीन हाथ के शरीर में मैं-मैं कर रहा है और संपूर्ण विश्व के अधिष्ठान परमात्मा को जानने चले हो। पहले अपने को जान लो, तब परमात्मा को तुरंत जान जाओगे। एक व्यक्ति एक वस्तु को दूरबीन से देख रहा है। यदि उसे यह नहीं ज्ञान है कि वह यंत्र वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु के सही स्वरूप का ज्ञान कैसे होगा?

अतः अपने यंत्र के विषय में पहले जानना आवश्यक है। हमारा ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा संसार दिखलाता है। हम यह नहीं जानते कि वह दिखाने वाला हमें यह संसार यथावत ही दिखलाता है या घटा-बढ़ाकर या विकृत करके दिखलाता है। गुलाब को नेत्र कहते हैं- यह गुलाबी है। नासिका कहती है- यह इसमें एक प्रिय सुगंध है। त्वचा कहती है- यह कोमल और शीतल है। चखने पर मालूम पड़ेगा कि इसका स्वाद कैसा है। पूरी बात कोई इंद्री नहीं बतलाती। सब इन्द्रियां मिलकर भी वस्तु के पूरे स्वभाव को नहीं बतला पातीं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

धनौरा व बछरायूं में मनाया गया पुलिस झंडा दिवस,पुलिस कर्मियों ने ध्वजारोहण कर ली कर्तव्यनिष्ठा की शपथ

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- थाना मंडी धनौरा व थाना बछरायूं में पुलिस झंडा दिवस बड़े ही हर्ष उल्लास ,सम्मान और अनुशासन के साथ मनाया गया। इस अवसर पर धनोरा थाने में वरिष्ठ उप निरीक्षक सतीश कुमार और बछरायूं थाने में थाना प्रभारी अमित कुमार तोमर ने अन्य पुलिसकर्मियों संग विधिवत ध्वजारोहण कर कर्तव्यनिष्ठा की शपथ ग्रहण की। इसके बाद पुलिस ध्वज फहराते ही मौजूद पुलिस कर्मियों ने सावधान होकर सलामी दी और अपनी निष्ठा व्यक्त की। बता दें कि रविवार 23 नवंबर को थाना मंडी धनौरा एवं थाना बछरायूं में पुलिस झंडा दिवस बड़े ही हर्ष उल्लास, सम्मान और अनुशासन के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ध्वजारोहण के दौरान थाना परिसरों में एक संक्षिप्त समारोह भी आयोजित किया गया। इसमें थाना प्रभारियों ने सभी पुलिस कर्मियों की कर्तव्य निष्ठा, अनुशासन ,ईमानदारी और पूर्ण समर्पण के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करने की शपथ दिलाई ।पुलिस कर्मियों ने जनता की सुरक्षा और सेवा को सर्वोपरि रखते हुए तथा किसी भी परिस्थिति में कर्तव्य से पीछे न हटाने का वचन लिया। धनोरा में वरिष्ठ उपनिरीक्षक सतीश कुमार ने पुलिस झंडा दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह दिवस हर वर्ष 23 नवंबर को मनाया जाता है जो उत्तर प्रदेश पुलिस के इतिहास में एक गोरखपुर दिन है। वहीं बछरायूं थाना प्रभारी अमित कुमार तोमर ने बताया कि इसी दिन देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उत्तर प्रदेश पुलिस और पीएसी को पुलिस ध्वज प्रदान किया था। उन्होंने कहा कि यह ध्वज सहज, पराक्रम, अनुशासन और सेवा भावना का प्रतीक है जो पुलिस को अपनी गौरवशाली विरासत और कर्तव्यों की याद दिलाता है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने आमजन की सुविधा के दृष्टिगत 2003 की मतदाता सूची के पोर्टल लिंक के बारे में दी जानकारी

अमरोहा (सब का सपना):- जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा विकसित किये गये पोर्टल के माध्यम से 2003 की मतदाता सूची में नाम आसानी से खोजा जा सकता है। इस सुविधा से एक क्लिक के माध्यम से जानकारी को प्राप्त किया जा सकता है। इस कदम से जंहा पारदर्शिता बढेगी वंही चुनाव प्रक्रिया में भाग लेना आसान होगा तथा एसआईआर की प्रक्रिया में भी आसानी आएगी। इसका मूल उद्देश्य आमजनों की समस्याओं को निस्तारित कर चुनाव में अधिक से अधिक भागीदारी को बढाना है। निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि https:// voters.eci. gov.in/searchIn SIR/S2UA4DPDF -JK4QWODSE पर क्लिक कर 2003 की मतदाता सूची में नाम की जानकारी ली जा सकती है। इसके अतिरिक्त चुनाव संबंधी समस्त जानकारियां भी प्राप्त की जा सकती है। इसमें जनपद का नाम डालते ही विधानसभा को चयनित करना होगा। जिससे विधानसभा में समस्त बूथों की सूची दिखाई देगी। इसको सेलेक्ट करते ही समस्त जानकारियां मिल सकेंगी। आयोग का यह कदम न केवल मतदाता सूची को अपडेट करने में सहायक होगा बल्कि पारदर्शिता और विश्वास बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगा। इस तकनीकी सुधार के माध्यम से अधिक से अधिक नागरिकों को मतदाता सूची के प्रति जागरूक करना और सुधार प्रक्रिया में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है।

हसनपुर में 169 दिव्यांगजनों को वितरित किए सहायक उपकरण

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के हसनपुर ब्लॉक परिसर में कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के विकास हेतु कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं और पात्रों से इनका लाभ लेने का आग्रह किया। विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी और ब्लॉक प्रमुख ममता गुर्जर ने संयुक्त रूप से ट्राईसाइकिल, एमआर किट और कृत्रिम अंगों का वितरण किया। उन्होंने हरी झंडी दिखाकर दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल के साथ रवाना किया।

जिला दिव्यागजन अधिकारी शिखा शर्मा ने विभाग की योजनाओं का ब्योरा प्रस्तुत किया। बताया कि इस अवसर पर कुल 78 ट्राईसाइकिल, 11 एमआर किट और 80 कृत्रिम अंगों का वितरण किया गया। अंत में वितरण कार्यक्रम में दिव्यांगजनों को बधाई देते हुए उपस्थित सभी दिव्यांगजन/उनके माता -पिता/ व्यक्तियों को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में एडीओ समाजकल्याण, देवेंद्र खड़वंशी, संजय शर्मा समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

बूथ पर बी एल ओ के साथ मौजूद सहयोगियों की तय की जाए जिम्मेदारी:- कृष्ण कुमार शर्मा

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाए जाने हेतु राष्ट्र सेवी संगठन एवं विधान सभा हसनपुर संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने क्षेत्र के ग्राम सकतपुर, करनपुर ,खरसौली, फयाज नगर, चंदन कोटा, पाडली आदि ग्रामों में जनसंपर्क किया।जनसंपर्क के दौरान मौजूद लोगों से अतिशीघ्र अपने और परिजनों के फार्म जमा कर अपलोड कराने की अपील की। कहा कि फार्म समय पर अपलोड न होने की स्थिति में मतदाता सूची से वंचित होने से प्रशाशन द्वारा जारी किए गए नोटिसों के जवाब देने हेतु सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं। साथ ही सरकारी सुविधाओं के मिलने में बाधा आ सकती है। शर्मा ने बूथों पर कार्य कर रहे बी एल ओ एवं उनके सहायतार्थ मौजूद अन्य सरकारी कर्मचारियों से संपर्क कर गड़ना कार्य में सहयोग करने हेतु जिम्मेदारी लेकर उसका पालन करने की अपील की। लेकिन फयाजनगर बूथ पर कम कार्य देखकर जब इसके लिए चिंता जाहिर की और क्योंकि बी एल ओ के पास खाली कुर्सी पर बैठने मात्र से कार्य आगे नहीं बढ़ पा रहा है साथ ही पिछड़ रहे बूथों पर कार्य में गति लाने की अपील की। प्रशासनिक कार्यवाही की आशंका जताई तो वहां पर मौजूद चकबंदी लेखपाल अंकुर मलिक ने अत्यंत गैर जिम्मेदाराना जवाब दिया कहा कि ऐसे नोटिस हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकते। शर्मा ने जिलाधिकारी अमरोहा से अंकुर मलिक के पिछले दो दिन बूथ से अनुपस्थित रहने व कार्य से पिछड़ने पर नोटिस की कार्यवाही की आशंका की बात पर गैरजिम्मेदाराना जवाब देने के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने की मांग की। साथ ही बूथ पर मौजूद सहयोगियों की जिम्मेदारी निर्धारित किए जाने की मांग की। इस अवसर पर आदमपुर मंडल संयोजक प्रेम सिंह,चंद्रपाल सैनी,राजकुमार, मनोज वन, कुंवरपाल गिरी आदि मौजूद रहे।

डीएम ने गजरौला और धनौरा में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत गणना प्रपत्रों के कार्यों को परखा

अमरोहा (सब का सपना):- भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि 01.01.2026 के आधार पर जनपद में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का कार्य चल रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा गजरौला और धनौरा में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में गणना प्रपत्रों का मतदाताओं को वितरण की स्थिति, कलेक्शन, डिजिटाइज, बुक ए कॉल विद बी०एल०ओ० के निस्तारण की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने एसआईआर में गणना प्रपत्र को बीएलओ एप पर डिजिटाइज करने के संबंध में विशेष दिशा निर्देश दिए। सभी बीएलओ को यह निर्देश दिए कि प्रतिदिन क्षेत्र में भ्रमण कर घर घर जाकर अधिक से अधिक फार्म कलेक्ट करने है उनको सहायक द्वारा बीएलओ एप पर डिजिटाइज्ड करवाना है, तथा साथ ही साथ ज्यादा से ज्यादा गणना पत्रों को मतदाता से कलेक्ट करना है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि तय समय सीमा के अंदर कार्य को संपन्न कराया जाए। निर्देश दिए कि फॉर्म भरने में कोई गलती न हो। कोई डुप्लीकेट वोट फीड न हो। इसके साथ ही गणना प्रपत्र भरने हेतु मतदाताओ को सहयोग प्रदान किया जाए। उन्होंने डिजिटाइज कर रहे कार्मिक से भी मौके पर कुछ फॉर्म डिजिटाइज कराकर देखे। जिलाधिकारी द्वारा जनपद के मतदाताओं से समय से फॉर्म भरकर जमा करने की अपील की जिलाधिकारी ने उनसे फॉर्म भरने के लिए जरूरी बातों के बारे में बताया कि अपना नवीनतम रंगीन फोटो सफेद बैकग्राउंड के साथ, मोबाइल नंबर और अपने माता, पिता, दादा, दादी, नाना या नानी का ब्यौरा भरकर फॉर्म जमा कर सकते हैं। बताया कि फॉर्म भरने की प्रक्रिया को आसान बनाया गया है,

जिससे अधिक से अधिक मतदाता आसानी से फॉर्म भर सके। उन्होंने कहा कि अगर 02 जगह वोट हो तो सिर्फ एक जगह भरें। अगर किसी को फॉर्म भरने में कोई दिक्कत हो तो अपने बूथ पर आए, बीएलओ और सहायक द्वारा पूर्णतया सहयोग दिया जाएगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, उप जिलाधिकारी धनौरा विभा श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर शशिभूषण पाठक सहित संबंधित उपस्थित रहे।

राम द्रोही पार्टी है सपा, बिहार में जनता ने दिया जवाब, अब यूपी और बंगाल की बारी: डिप्टी सीएम

संवाददाता

कुशीनगर। भगवान बुद्ध के दर्शन कर जीवन सार्थक हुआ। मोदी जी के निर्देश पर भगवान बुद्ध के पिपरहवा अवशेष को लेकर रूस जाने का अवसर मिला। उक्त बातें प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने कुशीनगर में मुख्य महापरिनिर्वाण मंदिर में भगवान बुद्ध के दर्शन पूजन के पश्चात कही। कहा कि रूस में बड़ी संख्या में लोग भगवान बुद्ध के अवशेष को दर्शन करने को आए। भगवान बुद्ध से जुड़े सबसे अधिक स्थान उत्तर प्रदेश में हैं। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी इन पवित्र स्थलों का विकास कर रहे हैं। एक सवाल जिसमें सपा नेता रविदास मल्होत्रा के आरोप पर डिप्टी सीएम ने कहा कि सपाई मिडिया में आने के लिए इस तरह की बात बोलते हैं। सपा के तमाम बड़बोले नेता हैं। सपा रामद्रोही पार्टी है। सपाइयों के बोलने का जवाब जनता देती है। अभी बिहार में जनता ने जवाब दिया है। बंगाल और यूपी में भी जनता जवाब देगी। घुसपैठियों का कोई भारतीय स्वागत नहीं करेगा। राम लला के जन्मभूमि पर भव्य प्रभु श्रीराम का मंदिर बना है। प्रधानमंत्री मोदी कल धर्म ध्वजा फहराने वाले हैं। पांच सौ साल पहले आक्रमणकारी ने राममंदिर को तोड़कर ढांचा खड़ा किया था। उस ढांचे को रामभक्तों ने धराशाई किया। रामभक्तों ने राममंदिर बनाने के संकल्प लिया था जो पूरा हो गया है। श्रीराम मंदिर राष्ट्र मंदिर है, राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। विदेशी आक्रांताओं ने कई मंदिरों को तोड़ा। सोमनाथ का मंदिर भी तोड़ा लेकिन सरदार पटेल ने उसे बनवाया। सरदार पटेल अगर पहले प्रधानमंत्री होते तो अयोध्या मथुरा और काशी की समस्या समाप्त हो गई होती। पाकिस्तान के कब्जे में कश्मीर का एक हिस्सा नहीं होता। भ्रष्टाचार नहीं होता, तुष्टिकरण की राजनीति नहीं होती, परिवार वाद और भ्रष्टाचार जन्म नहीं लेता। हिंदू, सिख, बौद्ध और ईसाई के लिए कानून बना है। भारत आने पर स्वागत होगा नागरिकता भी मिलेगी। कोई मुस्लिम घुसपैठिया आकर गरीबों का हक मरेगा। सपा बसपा कांग्रेस और टीएमसी जैसे दलों को सत्ता में बैठा रहा है तो यह अब नहीं होगा। चुनाव आयोग भी एसआईआर चलाकर पवित्र महायज्ञ कर रहा है इससे मतदाता सूची का शुद्धिकरण होगा। बूथ को लूटकर कोई सत्ता नहीं प्राप्त कर पाएगा। सिंध की संस्कृति हमारे देश से मिलती है।सांस्कृतिक रूप से हम एक हैं।

डीएम ने मतदाताओं से SIR प्रक्रिया में पूर्ण उत्साह के साथ भाग लेने एवं BLO का सहयोग करने की अपील

अमरोहा (सब का सपना):- जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि प्रदेश में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान में जनपद के प्रत्येक मतदाता को स्वयं से संबंधित गणना प्रपत्र को सही से भरकर हस्ताक्षर करने के बाद 4 दिसंबर तक अपने मतदेय स्थल के बीएलओ को उपलब्ध कराना है। उत्तर प्रदेश में हुए पिछले विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के बाद वर्ष 2003 में तैयार मतदाता सूची में अपना या अपने संबंधी का विवरण खोजने के लिए वेब पोर्टल voters.eci.gov.in पर जाएं, Search Your Name in Last SIR पर क्लिक करें, Serch by Elector Detils टैब पर जाएं और ऐसा कर अपने या अपने संबंधी की डिटेल्स आसानी से खोज सकते हैं। यदि वर्ष 2003 की अवधि में मतदाता भारत के किसी अन्य राज्य में रहा हो तो उस राज्य में उस अवधि में संपन्न हुए SIR के बाद तैयार मतदाता सूची भी उपर्युक्त वेब पोर्टल पर उपलब्ध है एवं उसे वहाँ से देखा जा सकता है। गणना प्रपत्र को उपर्युक्त वेब पोर्टल पर ही ऑनलाइन भी भरने की सुविधा उपलब्ध है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदाता उपरोक्त पोर्टल पर जाकर अपना एपिक नंबर दर्ज कर अपने BLO का नाम व फोन नंबर पता कर सकते हैं। पोर्टल के माध्यम से Book a call with your BLO सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। इस सुविधा का लाभ उठाने पर आपके क्षेत्र के BLO को यह नोटिफिकेशन जाता है कि आप उससे बात करना चाहते हैं एवं आपका नाम व मोबाइल नंबर BLO अस्त्रस्त्र पर प्रदर्शित होता है। BLO से अपेक्षा की गई है कि मतदाता द्वारा बात करने की इच्छा जताने पर 48 घंटे के भीतर मतदाता को BLO द्वारा वापस कॉल की जाएगी। मतदाताओं की सुविधा के लिए टेलीफोन की हेल्पलाइन भी उपलब्ध है। जनपद के एसटीडी कोड के साथ 1950 डायल करने पर घंटी जनपद सम्पर्क केंद्र पर जाती है। मतदाताओं द्वारा फोन करने पर ज़िला संपर्क केंद्र पर बैठे कर्मचारियों द्वारा मतदाताओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया जाता है एवं उनकी शिकायत दर्ज की जाती है। उन्होंने समस्त मतदाताओं से रक्रम प्रक्रिया में पूर्ण उत्साह के साथ भाग लेने एवं अपने BLO का सहयोग करने की अपील भी की। उन्होंने एस आई आर के कार्यों में लगे सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि उनको यह सुनिश्चित कराना है कि उनके क्षेत्र के समस्त गावों के समस्त मजरों में और नगरीय क्षेत्रों में समस्त मोहल्लों, कॉलोनियों और बस्तियों में रहने वाले प्रत्येक मतदाता को गणना पत्र अवश्य उपलब्ध करा दिया जाए।

डीएम ने जनप्रतिनिधियों एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से एसआईआर के कार्यों में सहयोग की अपील

अमरोहा (सब का सपना):- जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने सभी वार्ड और ग्रामों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एस०आई०आर) करवाये जाने के संबंध में जनपद के समस्त जन प्रतिनिधियों एवं समस्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि जनपद अमरोहा में भारत निर्वाचन आयोग के निदेशों के कम में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का कार्यक्रम 04 नवंबर से 04 दिसंबर तक चल रहा है, जिसमें सभी मतदेय स्थलों एवं सभी ग्रामों एवं सभी वार्डो में हैल्प डैस्क सेन्टरों को स्थापित किया गया है। बताया कि बी०एल०ओ० द्वारा गणना प्रपत्र वितरित कराये गये है। उन्होंने सभी से निवेदन करते हुए कहा कि वितरित गणना प्रपत्रों को भरवाते हुए उसमें वर्ष 2003 की मतदाता सूची के विवरण / मोबाईल नम्बर एवं एक अद्यतन फोटो (जिसका बैकग्राउण्ड सफेद हो) को शीघ्रता से संबंधित बी०एल०ओ० को उपलब्ध कराने में सहयोग करें एवं इस हेतु जनता को प्रेरित करें एवं इस आशय का प्रचार प्रसार भी कराने का कष्ट करें।

सम्भल में कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया पैदल गश्त

सम्भल (सब का सपना):- जिले में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने एवं आमजन में सुरक्षा की भावना जागृत करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सम्भल डॉ. राजेन्द्र पैंसिया तथा पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने नगर क्षेत्र में पैदल गश्त की। इस दौरान दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्य बाजारों, भीड़-भाड़ वाले स्थलों और संवेदनशील इलाकों का जायजा लिया।पैदल गश्त के दौरान अधिकारियों ने आमजन से संवाद स्थापित किया तथा उनसे आपसी सद्भाव और भाईचारे के साथ रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रशासन नागरिकों की सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए तत्पर है।इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह, क्षेत्राधिकारी सम्भल आलोक कुमार, क्षेत्राधिकारी असमोली कुलदीप कुमार सहित अन्य पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासन की इस पहल से क्षेत्र के लोगों में सुरक्षा और विश्वास की भावना मजबूत हुई है।

उत्तर प्रदेश कृषि निर्यात नीति-2019 के अन्तर्गत जनपद से बासमती के निर्यात सम्बन्धित बैठक आयोजित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में सम्भल जनपद से बासमती के निर्यात एवं भौगोलिक उपदर्शन पंजीकृत कृषि उत्पाद बासमती के उत्पादकों/ निर्यातकों/ विक्रेताओं को अधिकृत उपयोगकर्ता बनाए जाने पर चर्चा की गई। सर्वप्रथम अवनीश कुमार सिंह निरीक्षक कृषि विपणन विभाग के द्वारा अवगत कराया गया कि कृषि निर्यात नीति-2019 के अन्तर्गत क्लस्टर निर्माण कर निर्यात दायित्व पूरा करने पर रुपया 10 लाख का अतिरिक्त प्रोत्साहन क्लस्टर को दिया जायेगा। एक क्लस्टर निर्माण हेतु कम से कम 50 हेक्टेयर भूमि होना आवश्यक है। उपज का कम से कम 30 प्रतिशत निर्यात करने पर क्लस्टर को ये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। वर्तमान में जनपद से बासमती के दो क्लस्टर निर्माण हेतु प्रक्रिया कर रहे हैं। प्रबोध मिश्रा जिला कृषि अधिकारी द्वारा जी.आई पंजीकृत कृषि उत्पाद बासमती के उत्पादकों/ निर्यातकों/विक्रेताओं को अधिकृत उपयोगकर्ता बनाए जाने हेतु सम्बंधित जानकारी दी गयी। जी.आई के निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन की फीस मात्र 10रु. है। गोरखनाथ भट्ट मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देश दिए गए कि जनपद के कृषक एवं एफपीओ इस कार्य हेतु आगे आए जिससे किसानों के संगठन को अधिक से अधिक लाभ मिल सकें। इस वर्ष हमारे जनपद से भी बासमती निर्यात किया जाए। निर्यातक शिवम वार्ष्णेय किसानों से खरीदकर अरब देशों को बासमती भेजेंगे। उन्होंने ये भी बताया कि इससे जनपद के किसानों को आर्थिक लाभ मिलेगा एवं सम्भल के बासमती की सुगंध को अंतराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। हमारे जनपद से उद्यान विभाग से संबंधित पुष्पों के उत्पादन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। बैठक में उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी,जिला कृषि अधिकारी प्रबोध मिश्रा, जिला उद्यान अधिकारी, निर्यातक, कृषक संगठन प्रतिनिधि आदि मौजूद रहे।

पुलिस चौकी रिठाली का उद्घाटन, मिशन शक्ति अभियान के तहत स्थानीय बच्ची ने काटा फीता

संभल (सब का सपना):- जनपद में अपराध नियंत्रण और जनता को त्वरित न्याय दिलाने की दिशा में एक और कदम उठाया गया है। थाना नखासा क्षेत्र में नवीन पुलिस चौकी रिठाली का विधिवत शुभारंभ सोमवार को किया गया।कार्यक्रम में जिलाधिकारी सम्भल राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार की उपस्थिति में पूजा-अर्चना के साथ मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत स्थानीय बालिका इनाया द्वारा फीता काटकर चौकी का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह, क्षेत्राधिकारी सम्भल आलोक कुमार, क्षेत्राधिकारी असमोली कुलदीप कुमार सहित अन्य पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और क्षेत्रवासी मौजूद रहे।नवीन चौकी की स्थापना से क्षेत्र में पुलिस की पहुंच और निगरानी व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होने की उम्मीद व्यक्त की गई है। अधिकारियों ने इसे क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने वाला कदम बताया।

सर्पदंश जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, बच्चों को दी गई सांपों की पहचान व बचाव की ट्रेनिंग

हयातनगर/संभल (सब का सपना):- जनपद के थाना हयातनगर क्षेत्र स्थित मऊ भुड़ इंटर कॉलेज में सोमवार को सर्पदंश मृत्यु-मुक्त भारत अभियान के तहत एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन ऑल इंडिया वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम ने किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता जाबुल स्नेक सेवर ने छात्र-छात्राओं को सांपों की प्रजातियों, विषैले-विषहीन सांपों की पहचान, सर्पदंश होने पर तुरंत क्या करें तथा क्या न करें, इसकी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देश में हर साल सर्पदंश से लगभग 50 हजार से अधिक मौतें होती हैं, जिनमें से अधिकांश मौतें झाड़-फूंक और अंधविश्वास के कारण समय पर अस्पताल न पहुंच पाने से होती हैं। जाबुल ने जोर देकर कहा, सांप काटे तो झाड़-फूंक या घरेल उपचार बिल्कुल न करें। तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचें, क्योंकि समय पर एंटी-वेनम इंजेक्शन ही जान बचा सकता है। छात्रों को यह भी बताया गया कि भारत में पाई जाने वाली सांपों की 300 से अधिक प्रजातियों में से सिर्फ 10-12 प्रजातियाँ ही खतरनाक रूप से विषैली होती हैं, बाकी अधिकांश पूरी तरह विषहीन या कम विषैले होते हैं। विषैले सांपों (बिग फोर - कोबरा, करैत, रसेल वाइपर और सॉ-स्केल्ड वाइपर) की पहचान, उनसे सुरक्षित दूरी बनाए रखने के तरीके और आपात स्थिति में प्राथमिक उपचार की जानकारी दी गई। जाबुल स्नेक सेवर ने बच्चों से अपील की कि अगर घर, खेत या आसपास कोई सांप दिखे तो उसे मारने की कोशिश बिल्कुल न करें। इसके बजाय ऑल इंडिया वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम को सूचित करें। टीम सांप को सुरक्षित पकड़कर प्राकृतिक आवास में छोड़ती है। यह कार्यक्रम जिला प्रशासन की अनुमति से आयोजित किया गया था। आयोजन में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की अनुमति प्राप्त थी। बच्चों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और सर्पदंश से जुड़ी कई भ्रांतियों को दूर किया। कार्यक्रम के अंत में छात्रों ने प्रतिज्ञा ली कि वे अपने परिवार और गांव में सर्पदंश के सही उपचार व अंधविश्वास छोड़ने का संदेश पहुंचाएंगे। ऑल इंडिया वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम का कहना है कि जागरूकता ही सर्पदंश से होने वाली मौतों को शून्य करने का सबसे कारगर हथियार है। टीम लगातार ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों और गांवों में ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रही है।

महिलाओं एवं बलिकाओं को वितरित किये गये पम्पलेट व विभिन्न हेपलाइन नंबरों की दी जानकारी

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा के निर्देशन में जनपद के थानों पर नियुक्त महिला पुलिस-ाकर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही ह्यमिशन शक्ति 5.0ह्व अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/ कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

जिलाधिकारी ने सभी बीएलओ को दिए शत-प्रतिशत डिजिटलाइजेशन के निर्देश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत जनपद सम्भल में मतदाता सूची के डिजिटलाइजेशन का कार्य तेजी से चल रहा है। इस कड़ी में विकासखंड असमोली के उच्च प्राथमिक विद्यालय कम्पोजिट मुरथला स्थित बूथ नंबर 201 को 100 प्रतिशत डिजिटलाइज्ड करने में उल्लेखनीय सफलता हासिल हुई है।इस बूथ पर कुल 937 मतदाता पंजीकृत हैं। बीएलओ मित्र पाल सिंह (सहायक अध्यापक, पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय धुरैटा, विकासखंड पवांसा) ने पूरी मेहनत और लगन से सभी गणना प्रपत्रों का डिजिटलाइजेशन समय से पहले पूरा कर लिया। यह जनपद का पहला ऐसा बूथ बन गया है जिसका शत-प्रतिशत डिजिटलाइजेशन हो चुका है। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया ने इस उपलब्धि की सराहना करते हुए जनपद के सभी बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने बूथों की मतदाता सूची का डिजिटलाइजेशन शीघ्र अतिशीघ्र पूर्ण करें ताकि जनपद में यह कार्य शत-प्रतिशत हो सके। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचक नामावली का डिजिटलीकरण पारदर्शिता और सटीकता के लिए अत्यंत जरूरी है। इससे मतदाता सूची में त्रुटियों को दूर करने में मदद मिलेगी और आगामी चुनावों में मतदान प्रक्रिया और सुगम होगी। जनपद प्रशासन की यह पहल अन्य बूथों के लिए भी प्रेरणादायक साबित हो रही है और शेष बीएलओ भी तेज गति से डिजिटलाइजेशन कार्य में जुट गए हैं।

फैक्ट्री से पानी की टंकी के सरिए चोरी करने के आरोप में युवक गिरफ्तार

बनियाठेर/सम्भल(सब का सपना):- थाना बनियाठेर क्षेत्र के ग्राम थरैसा जयसिंह में स्थित एक फैक्ट्री से पानी की टंकी बनाने के लिए रखे लोहे के सरिए (एल्वो टाइप एवं टी टाइप) चोरी करने के मामले में बनियाठेर पुलिस ने सोमवार को मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, प्रताप सिंह पुत्र राजवीर सिंह, निवासी ग्राम थरैसा जयसिंह ने थाना बनियाठेर में तहरीरी सूचना दी थी कि अज्ञात चोरों ने उनकी फैक्ट्री में घुसकर पानी की टंकी बनाने के लिए रखे कीमती लोहे के सरिए चोरी कर लिए। इस सूचना पर थाना बनियाठेर में संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी बनियाठेर के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सोमवार को मुख्य आरोपी इमरान पुत्र सल्लू, निवासी बहतरी फाटक, थाना बनियाठेर को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने चोरी की घटना कबूल कर ली है। चोरी गए माल की बरामदगी के प्रयास जारी हैं। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें।

भयानक सड़क हादसा, गाय से बचते ई-रिक्शा की टक्कर तेज रफ्तार कार से, तीन घायल

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना बहजोई क्षेत्र के गांव भवन के पास संभल-बहजोई मुख्य मार्ग पर सोमवार शाम एक भीषण सड़क हादसा हो गया। बहजोई से संभल की ओर जा रही तेज रफ्तार टाटा नेक्सन कार (नंबर UP-23 AL 7997) की टक्कर गांव पंवासा की ओर से आ रहे एक ई-रिक्शा से हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब ई-रिक्शा के सामने अचानक एक गाय आ गई और चालक ने बचाने के प्रयास में स्टियरिंग घुमा दिया।ई-रिक्शा में सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में पूनम (38) पत्नी जगतपाल,निवासी चंदौसी, जनपद संभल राधा (28) निवासी टंकी मोहल्ला, बहजोई दुर्गा (16) शामिल हैं उसी मोहल्ले की रहने वाली तीनों महिलाएं रिश्तेदारी में एक शादी समारोह से लौट रही थीं। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना पाकर बहजोई पुलिस तुरंत पहुंची। 112 एम्बुलेंस की मदद से सभी घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी की हालत खतरे से बाहर बताई। ई-रिक्शा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह चकनाचूर हो गया। कार चालक भी बाल-बाल बचा, उसकी हालत सामान्य है। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। क्षेत्र में लगातार हो रहे सड़क हादसों को लेकर लोगों में रोष है और आवारा पशुओं व तेज रफ्तार वाहनों पर अंकुश लगाने की मांग तेज हो गई है।

मिशन शक्ति, समाज कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक का आयोजन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में मिशन शक्ति, समाज कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा विभिन्न संबंधित विभागों द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के अन्तर्गत किये जाने वाले कार्यों के विषय में जानकारी प्राप्त की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि महिला हिंसा से संबंधित तथा अन्य शिकायतों के निवारण हेतु विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन -1090,पुलिस आपातकालीन सेवा 112 ,साइबर हेल्पलाइन नंबर -1930 आदि का प्रचार प्रसार किया जाए।सुरक्षा के दृष्टिगत जनपद के नगर पालिका, नगर पंचायत, ग्राम पंचायत आदि में सीसीटीवी कैमरे लगाने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बेसिक शिक्षा विभाग में मिशन शक्ति के अन्तर्गत किये जाने वाले कार्यों को लेकर जानकारी प्राप्त की गयी मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि बैठक में तैयारी के साथ आयें। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बैठक में अनुपस्थित रहे संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। प्रेरणा कैंटीन तथा भीख से सीख कार्यक्रम के विषय में जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कार्यों को लेकर भी संबंधित को निर्देशित किया। समाज कल्याण विभाग की समीक्षा करते हुए निराश्रित महिला पेंशन के लंबित आवेदन तथा वृद्धावस्था पेंशन के लंबित आवेदन को लेकर विकास खण्ड वार जानकारी प्राप्त की गयी।संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि कोई भी आवेदन लंबित न रहे। फार्मर रजिस्ट्री, कन्या सुमंगला योजना पर भी चर्चा की गयी एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी चंद्रभूषण, जिला समाज कल्याण अधिकारी तिनेज कुमार तथा जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार,जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार एवं समस्त संबंधित खंड विकास अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक सम्पन्न, बारह परिवारों में हुआ सुलह समझौता

बहजोई/संभल। (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की बैठक पुलिस लाइन मंडी समिति बहजोई में आयोजित की गई। बैठक का संचालन प्रतिसार निरीक्षक अशोक कुमार की व्यवस्था एवं परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह की देखरेख में संपन्न हुआ।बैठक में पति-पत्नी के बीच आपसी विवादों को सुलह एवं समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। कुल 128 पत्रावलियाँ सुनवाई हेतु प्रस्तुत हुईं, जिनमें से 28 का निस्तारण किया गया, जबकि बारह परिवारों में आपसी सुलह कराई गई। बारह पत्रावलियाँ आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंद की गईं और चार पत्रावलियों में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई।इस अवसर पर विधिक परामर्शदाता व काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय, एडवोकेट संगीता भार्गव, पूनम अरोरा, बबीता शर्मा, श्वेता गुप्ता, सीमा आर्य, कंचन महेश्वरी, कांस्टेबल शहजाद मलिक, ज्योति आदि उपस्थित रहे।

क्रिश्चियन मिशेल की याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस, दिल्ली हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

नई दिल्ली। भारत-यूएई प्रत्यर्पण संधि को भारतीय संसद द्वारा बनाए गए प्रत्यर्पण अधिनियम के अधीन घोषित करने की मांग वाली अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकाप्टर घोटाला मामले के आरोपित क्रिश्चियन मिशेल की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। अदालत ने गृह मंत्रालय (एमएचए), विदेश मंत्रालय (एमईए), केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि सरकार याचिका की स्वीकार्यता पर आपत्तियां दर्ज करा सकती है। इस मामले की अगली सुनवाई अब 9 जनवरी, 2026 को होगी।

फार्म हाउस में चोरी करने वाले 36 घंटे में गिरफ्तार, लग्जरी घड़ियां और कीमती सामान हुआ बरामद

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में वसंतकुंज थाना क्षेत्र के चर्च रोड स्थित फार्म हाउस में चोरी करने वाले चार बदमाशों को पुलिस ने 36 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी सुधीर उर्फ बाबा, मंगल, साजन और पवन यादव के पास से पुलिस ने एसी यूनिट, लग्जरी घड़ियां, एक लैपटॉप, चेक बुक, लग्जरी सनग्लास और ईको वैन बरामद की है। पुलिस ने आरोपियों को लंबी पूछताछ के बाद जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, 18 नवंबर को डी. कुमार पार्क लेन, चर्च रोड, वसंत कुंज स्थित एक फार्म हाउस में केयरटेकर हैं। उन्होंने फार्म हाउस में चोरी की शिकायत दी। उन्होंने बताया कि अज्ञात लोगों ने फार्म हाउस में घुसकर इलेक्ट्रिक व कीमती सामान की चोरी की। केस दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। एसएचओ वसंतकुंज साउथ के नेतृत्व में आरोपियों को पकड़ने के लिए विशेष टीम बनी। फार्म हाउस और उसके पास लगे 70 से ज्यादा कैमरों की फुटेज की जांच करने पर सुराग मिले। पुलिस ने वीडियो फुटेज में दिख रहे ईको वैन की जानकारी जुटा कर आरोपियों तक पहुंची। घिटोरनी जंगल इलाके में छापामारी कर वैन के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने पूछताछ में चोरी करने की बात कबूल की और पुलिस ने उनकी निशानदेही पर चोरी का सामान बरामद कर लिया।

शामली और बागपत वालों के लिए गुड न्यूज, अब दिल्ली से चलेंगी दो मेमू ट्रेनें; जल्द सामने आएगा टाइम टेबल

नई दिल्ली। दैनिक यात्रियों की सुविधा के लिए दिल्ली से शामली के बीच दो मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (एमईएमयू) ट्रेन चलाने की घोषणा की है। आज यानी सोमवार को बड़ौत में आयोजित कार्यक्रम में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव दोनों एमईएमयू ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। 64033/64034 नंबर की एमईएमयू पुरानी दिल्ली से शामली के बीच चलेगी। 64035/64035 नंबर की ट्रेन दिल्ली शाहदरा से शामली के बीच चलेगी। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इन ट्रेनों के नियमित परिचालन के लिए शीघ्र समय सारिणी घोषित की जाएगी। वहीं, उद्घाटन के अवसर पर दोनों ट्रेनें बड़ौत से चलेंगी। इसमें से एक ट्रेन एमईएमयू बड़ौत से बागपत रोड, खेकड़ा, नोली, गोकलपुर सबोली हॉल्ट, दिल्ली शाहदरा होते हुए पुरानी दिल्ली पहुंचेगी। दूसरी बड़ौत से कासिमपुर खेड़ी, कांधला होकर शामली पहुंचेगी।

दिल्ली के पांच चौराहे बनेंगे सुंदर, एक करोड़ से ज्यादा रुपये होंगे खर्च; ट्रैफिक जाम से भी मिलेगी राहत

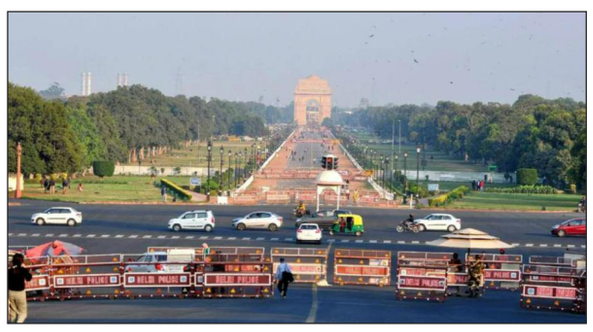

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार सड़कों की दशा सुधारने के साथ-साथ सड़कों के सुंदरीकरण कार्य पर भी फोकस बढ़ाएगी। इस योजना के तहत शहर के प्रमुख चौराहों का सुंदरीकरण किया जाएगा। इस प्रक्रिया में लोक निर्माण विभाग ने शहर के पांच चौराहों के सुंदरीकरण का टेंडर जारी किया है। पहले 40 चौराहों के सुंदरीकरण की थी योजना इस कार्य पर एक करोड़ से अधिक की राशि खर्च होगी। इनमें अनुकंपा चौक, दीपाली चौक, संत नगर चौक, अंबेडकर एक्स-रिंग और मधुबन चौक शामिल है। यहां बता दें कि दिल्ली में दो साल पहले हुए जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर दिल्ली गेट चौराहा के किए गए सुंदरीकरण की तर्ज पर लोक निर्माण विभाग ने दिल्ली के 40 चौराहों के सुंदरीकरण की योजना करीब एक साल पहले बनाई थी। मगर पूर्व की सरकार इस योजना पर आगे नहीं बढ़ सकी थी ।इस योजना के तहत चौराहों को सुंदर बनाने के साथ-साथ उन्हें व्यवस्थित करने की भी के कार्य पर भी फोकस किया जाना है। जिसके तहत ऐसे चौराहे जिन पर अभी तक फ्लाईओवर नहीं बने हैं या और वहां पर लालबत्तियां काम कर रही हैं। ट्रैफिक व्यवस्था में भी होगा सुधार इन चौराहों पर यातायात को लेकर इस तरह की व्यवस्था की जाएगी कि लालबत्ती ग्रीन होने पर अधिक से अधिक वाहन गुजर सकें। इसके तहत चौराहों की आंतरिक दूरी भी कम की जाएगी। इन चौराहों पर हरियाली के साथ-साथ फूलों वाले पौधे लगाए जाएंगे। पत्थर की मूर्तियां और स्कल्पचर भी लगाए जाएंगे। सरकार का फोकस फव्वारे लगाने पर कम है। इसके तहत कुछ स्थानों पर ही छोटे फव्वारे लगाए जाने की योजना है। अनुकंपा चौक, दीपाली चौक, संत नगर चौक, अंबेडकर एक्स-रिंग और मधुबन चौक के डिजाइन को लेकर सर्वे किया जाएगा और उसके आधार पर ही चौराहों पर यातायात सुगम बनाने का काम किया जाएगा।

'भारतीय सिनेमा के एक स्वर्णिम काल का अंत', एलजी वीके सक्सेना ने एक्टर धर्मेंद्र के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। बॉलीवुड के मशहूर एक्टर धर्मेंद्र, जिन्हें "ही-मैन" के नाम से जाना जाता है, का 89 साल की उम्र में निधन हो गया है। उन्होंने मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में आखिरी सांस ली। उनकी मौत की खबर से फिल्म इंडस्ट्री, नेताओं और फैंस में शोक की लहर दौड़ गई। दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने उनके निधन पर एक्स पर पोस्ट कर दुख व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, "फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र का निधन भारतीय सिनेमा के एक स्वर्णिम काल का अंत है। अपने बेहतरीन अभिनय से अनेक किरदारों को जीवंत करने वाले धर्मेंद्र, एक महान कलाकार होने के साथ साथ एक शानदार व्यक्तित्व के जिंदादिल इंसान थे, जिन्होंने देश-दुनिया में लाखों लोगों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। उनके परिवार और असंख्य प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं। विनम्र श्रद्धांजलि। ॐ शांति !!" कई दिनों से बीमार थे धर्मेंद्र धर्मेंद्र कई दिनों से बीमार थे और उन्हें सांस लेने में दिक्कत के कारण 31 अक्टूबर को ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। उन्हें 12 नवंबर को हॉस्पिटल से छुट्टी मिल गई थी। उनके परिवार ने एक बयान जारी कर बताया कि वह ठीक हो रहे हैं। 24 नवंबर को 89 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। एक्टर 10 नवंबर से वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे। इंडस्ट्री से पहुंचे ये सेलिब्रिटीफिल्ममेकर करण जौहर ने सोशल मीडिया पर धर्मेंद्र के निधन की खबर दी, जबकि एक्टर की बेटी ईशा देओल, उनके करीबी दोस्त अमिताभ बच्चन, आमिर खान और अगस्त्य नंदा उन्हें आखिरी श्रद्धांजलि देने पहुंचे। करण ने इंस्टाग्राम पर लिखा, "यह एक युग का अंत है। एक बहुत बड़े मेगास्टार, मेनस्ट्रीम सिनेमा के हीरो, अविश्वसनीय रूप से हैंडसम और सबसे रहस्यमयी स्क्रीन प्रेजेंस वाले। वह

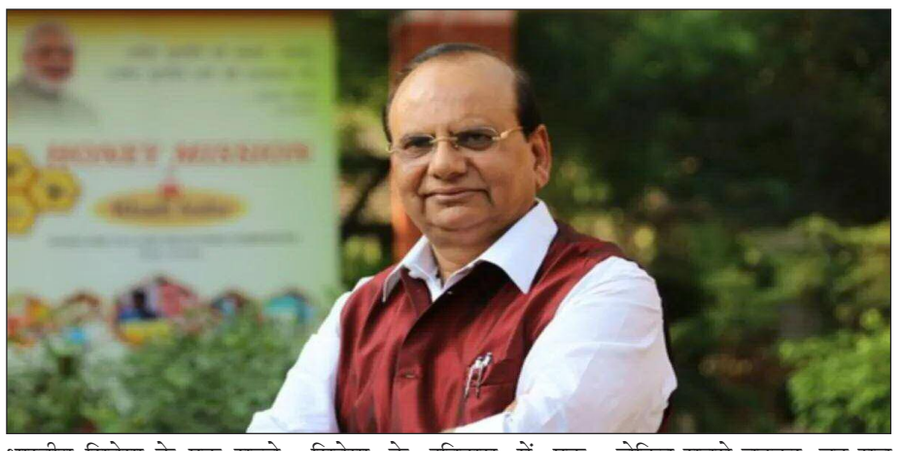

भारतीय सिनेमा के एक सच्चे लेजेंड हैं और हमेशा रहेंगे। सिनेमा के इतिहास में एक अनोखी और शानदार पहचान, लेकिन सबसे बढ़कर, वह सच में एक बहुत अच्छे इंसान थे।"

फर्जी ट्रेडिंग ऐप और लव ट्रैप.... दिल्ली में 1.6 करोड़ रुपये ठगने वाले गैंग का भंडाफोड़

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच टीम ने एक ऐसे गैंग का पदार्फाश किया है जिसने स्टॉक मार्केट में इन्वेस्ट करने के नाम पर एक आदमी से ड्1.6 करोड़ की ठगी की। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में जीटीआर इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड नाम की एक नकली कंपनी का डायरेक्टर सुनील कुमार और महाराष्ट्र के ठाणे में "उद्यम वीमेन एम्पावरमेंट फाउंडेशन" नाम की एक और नकली कंपनी चलाने वाला विशाल चौरे और उसके साथी शामिल हैं। यह गैंग हाई-प्रोफाइल ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट, नकली प्री-आईपीओ स्कीम और धोखाधड़ी वाले फॉरेन एक्सचेंज ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म चलाता था, और पूरे भारत में पीड़ितों से बड़ी रकम ठगता था। जांच में जीटीआर इलेक्ट्रॉनिक्स से

जुड़ी 13 एनसीपीसीआर शिकायतों में कुल ड्88.40 लाख और उद्यम फाउंडेशन से जुड़ी 45 शिकायतों में ड्22 लाख के धोखाधड़ी वाले ट्रांजैक्शन का पता चला। पुलिस इन लोगों से पूछताछ कर रही है और गैंग में शामिल दूसरे धोखाधड़ी करने वाले लोगों की तलाश कर रही है। क्राइम ब्रांच के डिप्टी कमिश्नर आदित्य गौतम के मुताबिक, यह मामला तब सामने आया जब पीड़ित ने इंटरनेट पर एक महिला के झांसे में आकर यूके के एक नकली ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म, स्प्रेडेक्स ग्लोबल लिमिटेड में इन्वेस्ट किया और लगभग ड्16 मिलियन गंवा दिए। जांच में पता चला कि ड्1.5 मिलियन जीटीआर इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े अकाउंट में ट्रांसफर किए गए, जबकि ड्1.1 मिलियन उद्यम महिला सशक्तिकरण फाउंडेशन के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर किए गए। इन अकाउंट को ठाणे के विशाल चौरे और उनकी पत्नी साइबर क्राइम से मिले पैसे को सफेद करने के लिए ऑपरेट कर रहे थे। जांच में यह भी पता चला कि पूर्वी दिल्ली के शकरपुर में जीटीआर इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड का एक नकली ऑफिस सिर्फ धोखाधड़ी से मिले पैसे को सफेद करने के लिए बनाया गया था। एक टिप-ऑफ पर कार्रवाई करते हुए, एसीपी अनिल शर्मा की देखरेख और इंस्पेक्टर मंजीत कुमार के नेतृत्व में एक टीम ने ठाणे, महाराष्ट्र में छापा मारा, जिससे जीटीआर इलेक्ट्रॉनिक्स के डायरेक्टर सुनील कुमार, विशाल चौरे और उनकी पत्नी को गिरफ्तार किया गया।

दिल्ली में घर के बाहर खेल रहे बच्चे पर पिटबुल ने किया अटैक, कान काटकर कर दिया अलग

बाहरी दिल्ली। प्रेमनगर-3 के विनय एन्क्लेव में गली में खेल रहे छह वर्षीय बच्चे पर पालतू पिटबुल कुत्ते ने हमला कर बुरी तरीके से घालय कर दिया। पिटबुल बच्चे को लगभग 20 सेकेंड तक काटता और घसीटता रहा। कुत्ता इस कदर हिंसक था कि दो लोग बच्चे को छुड़वाने की कोशिश करते रहे, लेकिन पिटबुल बच्चे पर लगातार हमला करता रहा। इस हमले में बच्चे का एक कान कटकर अलग हो गया और बच्चे के सिर पर भी कई जख्म हो गए। इस बीच, पुलिस ने कुत्ते के मालिक को गिरफ्तार कर लिया। इस घटना के 20-22 घंटे बाद नगर निगम की टीम कुत्ते को पकड़ने पहुंची। आस-पड़ोस में रहने वाले लोगों का कहना है कि यह पिटबुल दो बच्चों और दो

पशुओं पर भी हमला कर चुका है। रौंगटे खड़े कर देने वाली यह घटना रविवार दोपहर बाद साढ़े तीन बजे की है। बच्चे का नाम देवांश (6) है। बताया जाता है कि बच्चा अपने घर से कुछ दूरी पर गली में खेल रहा था। इसी दौरान बच्चा गेंद लेने बढ़ा तो मकान से पिटबुल तेजी से बाहर निकला और सीधा बच्चे पर हमला कर दिया। बच्चे को कुत्ते के चंगुल से छुड़वाने के लिए एक महिला और एक व्यक्ति ने प्रयास किया, लेकिन कुत्ता बच्चे को घसीटता रहा और काटता रहा। शख्स ने बच्चे के पैर पकड़कर खींचा और महिला ने अपने कुत्ते को पकड़ा। घायल बच्चे को उपचार के लिए रोहिणी के अंबेडकर अस्पताल पहुंचे। बाद में बच्चे को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां घायल बच्चे का उपचार जारी है। फिलहाल घटना के बाद आसपास के लोगों में दहशत का माहौल है। पुलिस ने बताया कि गली में खेलते बच्चे पर राजेश पाल निवासी विनय एन्क्लेव, प्रेम नगर-3 के पिटबुल कुत्ते ने बच्चे पर हमला कर दिया। हमले में, बच्चे को गंभीर चोटें आईं, जिसमें उसका दाहिना कान भी कट गया। पीड़ित बच्चे के पिता दिनेश के बयान पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 291/125 (जो 289/338 IPC से जुड़ा है) के तहत केस दर्ज किया गया है। आरोपित व्यक्ति राजेश पाल को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पिटबुल डेढ़ साल पहले राजेश पाल का बेटा सचिन लेकर आया था। सचिन हत्या के प्रयास के मामले में जेल में बंद है।

दिल्ली पुलिस के कॉन्स्टेबल पर चाकू से हमला, गश्त के दौरान पकड़ने का किया था प्रयास

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के राज पार्क इलाके में गश्त के दौरान एक बदमाश ने चाकू से हमला कर दिल्ली पुलिस के एक कांस्टेबल को घायल कर दिया।एक रिक्शा चालक से कथित तौर पर 500 रुपये लूटने वाले आरोपी को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि इस गिरफ्तारी से एक डकैती और दो चोरी के मामले सुलझ गए हैं। पुलिस के अनुसार, यह घटना 22 नवंबर को हुई जब कांस्टेबल विकास नियमित गश्त ड्यूटी पर थे। उनके पास रिक्शा चालक मोहम्मद कमल ने आकर बताया कि एक युवक ने गौशाला रोड, घोड़े वाली गली के पास उन्हें लूट लिया है। कांस्टेबल कमल के साथ घटनास्थल पर गया, जहां उसने आरोपी की पहचान की। जब उसने उसे पकड़ने की कोशिश की, तो आरोपी ने चाकू निकालकर उस पर हमला कर दिया, जिससे उसका हाथ घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि खून बहने के बावजूद, कांस्टेबल ने युवक को काबू में कर लिया, लेकिन उसने कॉन्स्टेबल का ध्यान भटकाने के लिए अपने सिर पर चोट लगा ली और भीड़ में भाग गया। कांस्टेबल ने थाने को सूचना दी, जिसके बाद घोड़े वाली गली और आस-पास के इलाकों में तलाशी अभियान चलाया गया। कमल की पहचान के आधार पर पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया, जिसकी पहचान किशन गंज निवासी रितिक के रूप में हुई। दोनों को अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि डॉक्टरों ने रितिक के कपड़ों से 500 रुपये नकद भी बरामद किए। बाद में, रितिक की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल चाकू पास की रेलवे लाइन से बरामद कर लिया गया। लूट के दौरान पहने उसके कपड़े भी जब्त कर लिए गए। पूछताछ के दौरान, रितिक ने पुलिस को बताया कि वह मजदूरी करता है और सातवीं कक्षा तक पढ़ा है। कथित तौर पर उसे नशे की लत लग गई और अपनी लत पूरी करने के लिए उसने चोरी और डकैती की वारदातें शुरू कर दीं। उसने शनिवार को एक रिक्शा चालक को लूटने की बात भी कबूल की और भागने के लिए कांस्टेबल पर हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार, रितिक पर पहले भी कई मामले दर्ज हैं, जिनमें 2018 में चोरी का प्रयास और इस साल की शुरूआत में दर्ज एक आर्म्स एक्ट का मामला शामिल है।

अशोक विहार की मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोप, कांग्रेस ने चुनाव आयोग को लिखी चिट्ठी

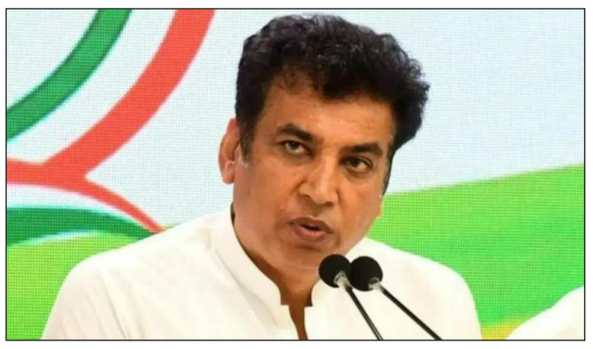

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) को पत्र लिखकर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) उपचुनाव को लेकर अशोक विहार की वोटर लिस्ट में गड़बड़ी होने का आरोप लगाया है। देवेंद्र यादव ने पत्र में लिखा, "मैं वोटर लिस्ट में गड़बड़ी को उजागर करना चाहता हूं। यह वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र है। यहां ज्यादातर मजदूर रहते हैं, जिसका साफ मतलब है कि मजदूरों के मताधिकार को एक साजिश के तहत छीन लिया गया है। राहुल गांधी बार-बार आयोग के काम को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। अब हम सब को आवाज उठाने की जरूरत है।" रविवार को लिखे पत्र में कहा गया, "दिल्ली में 12 वार्डों के लिए उपचुनाव के लिए वोटिंग 30 नवंबर को होगी। ऐसे में अन्य निगमों में भी बड़ी गड़बड़ी होने की पूरी संभावना है। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि सभी निगमों में इस प्रकार की चोरी को तुरंत ठीक किया जाए। अन्यथा हमअधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए मजबूर होंगे।" इससे पहले, 10 नवंबर को दिल्ली एमसीडी उपचुनाव की 12 सीटों के लिए कुल 132 नामांकन दाखिल किए गए थे। इन नामांकनों में 59 पुरुष और 74 महिला उम्मीदवार थीं। महिला उम्मीदवारों ने शालीमार बाग-बी, अशोक विहार, द्वारका-बी, दिचाओं कलां और ग्रेटर कैलाश जैसे प्रमुख क्षेत्रों से नामांकन दाखिल किए हैं। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 10 नवंबर थी और नामांकन पत्रों की जांच 12 नवंबर को होगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 15 नवंबर है। मतदान 30 नवंबर को होगा। गत 10 नवंबर को, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आगामी दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) उपचुनावों में सभी 12 सीटें जीतनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी का ध्यान राजधानी के लंबे समय से लंबित नागरिक मुद्दों के समाधान पर है।

छात्र आत्महत्या मामले में तीन और शिक्षकों पर पुलिस का शिकंजा, अभिभावकों का प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को राजेंद्र प्लेस मेट्रो स्टेशन पर 16 वर्षीय एक छात्र की आत्महत्या के मामले में तीन और शिक्षकों को पूछताछ के लिए बुलाया। रविवार को दो अन्य शिक्षकों से पूछताछ की गई, जबकि जांच के तहत कुछ छात्रों से भी पूछताछ की गई। इससे पहले, मध्य दिल्ली स्थित इस स्कूल ने अपने चार शिक्षकों को निलंबित कर दिया था। इस बीच, माता-पिता ने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि स्कूल के शिक्षकों द्वारा कथित उत्पीड़न के कारण उनका बेटा गंभीर मानसिक तनाव में था। एएनआई से बात करते हुए मृतक के पिता ने कहा, "मेरा बेटा बहुत होशियार था। उसने कई मेडल और सर्टिफिकेट जीते थे। और पिछली बार जब मैंने उससे बात की थी, तो मुझे बिल्कुल नहीं लगा था कि वह ऐसा कदम उठाएगा। मेरा बेटा शिकायत करता रहता था कि शिक्षक उसे बहुत परेशान कर रहे हैं। इस समय, कई छात्र और अभिभावक भी मेरे बेटे के लिए न्याय मांगने के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। हम बस यही चाहते हैं कि हमारे बेटे को न्याय मिले। पीड़ित की मां ने बताया, "मेरे बेटे को न्याय मिलना चाहिए और इस मामले के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उसने मुझे कई बार बताया कि शिक्षक उसे बहुत प्रताड़ित कर रहे थे। मेरे बेटे को न्याय मिलना चाहिए ताकि भविष्य में किसी और बच्चे को ऐसा कुछ न सहना पड़े।" 21 नवंबर को, दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशिष सूद ने कहा कि राज्य सरकार ने राजधानी के एक प्रतिष्ठित स्कूल के एक छात्र की आत्महत्या के मामले में एक जांच समिति गठित की है। सूद ने कहा कि स्कूलों ने भी इस मामले में कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि वह स्कूलों को पत्र लिखकर पूछेंगे कि क्या वे सीबीएसई के दिशानिदेर्शों के अनुसार छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और उनकी भलाई पर नजर रख रहे हैं।

यमुना को साफ करने का सस्ता हथियार तैयार, जामिया की रिसर्च जल्द ही शुरू करेगी फील्ड ट्रायल

साउथ दिल्ली। दुनिया में ऑक्सीजन बनाने में एल्गी का बड़ा रोल है। वे पानी के अंदर, जमीन पर, चट्टानों पर, मिट्टी और बर्फ में रहते हैं और बढ़ते हैं। नाइट्रोजन, अमोनिया और कार्बन जैसे एलिमेंट, जो बड़े पॉल्यूटेंट हैं, उनका खाना हैं। इसका मतलब है कि वे एक तरफ तो पॉल्यूशन को न्यूट्रलाइज करते हैं और दूसरी तरफ, हमें ऑक्सीजन भी देते हैं। पॉल्यूशन को नैचुरली कंट्रोल करने में उनका रोल बहुत जरूरी है, जो अभी खतरनाक लेवल पर पहुंच गया है। इसे देखते हुए, जामिया मिलिया इस्लामिया के मल्टीडिसिप्लिनरी सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड स्टडीज (एमसीएआरएस) में डॉ. अमित शर्मा की लीडरशिप में उनकी कैपेसिटी बढ़ाने के लिए रिसर्च चल रही है। यह देखा गया है कि एल्गी तब तक ऑक्सीजन बनाती हैं जब तक उन्हें खाना मिलता रहता है। जब उन्हें खाना नहीं मिलता, तो वे डॉर्मेंट स्टेट में चले जाते हैं और टैग (ट्राईएसिलग्लिसरॉल), एक बायोफ्यूल मॉलिक्यूल बनाना शुरू कर देते हैं। अब, उनके सेल्स में एक लाइट ऑक्सीजन वोल्टेज प्रोटीन डोमेन, एक तरह का प्रोटीन डोमेन, जोड़ा जाएगा, जो डीएनए एक्टिविटी को रेगुलेट करने में मदद करेगा। यह

प्रोसेस एल्गी की एक्टिविटी को कंट्रोल कर सकता है और उसकी एफिशिएंसी बढ़ा सकता है। ऐसे काम करता है प्रोटीन डोमेन सेल का स्लीप और वेक साइकिल सीएचटी-7 पर निर्भर करता है। डीएनए -बाइंडिंग प्रोटीन सीएचटी-7 का सीएक्ससी डोमेन एक डोमेन है। यह आमतौर पर बाहरी डीएनए प्रोटीन की मौजूदगी में इनएक्टिव रहता है। यह डीएनए से जुड़ सकता है, लेकिन जब मॉलिक्यूलर क्राउडिंग या बहुत ज्यादा बाहरी प्रोटीन की मौजूदगी का सामना करता है, तो यह बाइंडिंग को छोड़ देता है। डीएनए को रेगुलेट करने का यह प्रोसेस लव(डी) (लाइट ऑक्सीजन वोल्टेज) प्रोटीन डोमेन लाइट की गैर-मौजूदगी में सिकुड़ा रहता है, और इसके सी-टर्मिनल पर स्प्रिंग जैसा हेलिक्स (जे अल्फा हेलिक्स) सिकुड़ा रहता है। हालांकि, जब लाइट पड़ती है, तो यह खुल जाता है। लैब में, यह देखा गया कि जब सेल में मौजूद डीएनए को बाइंडिंग डोमेन में डाला जाता है, तो यह सीएक्ससी को अपनी जगह पर रखता है। हेलिक्स में सिकुड़न के कारण, सीएक्ससी हिल नहीं पाता है। हालांकि, लाइट की मौजूदगी में, स्प्रिंग जैसा हेलिक्स खुल जाता है, और उउ उठअ से जुड़ जाता है। यह एक स्विच (एलोस्टेरिक रेगुलेशन) जैसा है। इस पूरे प्रोसेस से उठअ रेगुलेशन के प्रोसेस को समझा गया। डॉ. अमित शर्मा के गाइडेंस में रिसर्च स्टूडेंट्स सैयदा आमना अर्शी और मनीषा चौहान की टीम द्वारा की गई यह रिसर्च 19 दिसंबर, 2023 को बायोफिजिकल जर्नल में और 13 मार्च, 2024 को इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल माइक्रो मॉलिक्यूल्स में पब्लिश हुई थी। भविष्य में, इससे हम उल्लळ-7 को भी मॉडिफाई कर पाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो गिरफ्तार, कुछ दिन बाद शुरू होने वाली है 27 साल की जेल की सजा

साओ पाउलो, एजेंसी। ब्राजील की संघीय पुलिस ने पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को शनिवार सुबह गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई जब बोल्सोनारो कुछ ही दिनों में अपनी 27 साल की जेल सजा शुरू करने वाले थे। उनकी सहयोगी अंद्रिएली सिरिनो ने बताया कि गिरफ्तारी सुबह करीब 6 बजे हुई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बोल्सोनारो को उनकी घर में नजरबंदी वाली जगह से हिरासत में लेकर राजधानी ब्रासीलिया स्थित संघीय पुलिस मुख्यालय लाया गया। यह कार्रवाई ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर की गई। बोल्सोनारो को तख्तापलट की साजिश रचने का दोषी ठहराया गया था। उन पर आरोप था कि 2022 के चुनाव में हार के बाद उन्होंने सरकार पलटने, लोकतंत्र खत्म करने और हिंसा भड़काने की कोशिश की। अभियोजन पक्ष ने अदालत में यह भी कहा था कि साजिश में राष्ट्रपति लूला की हत्या की योजना और 2023 की शुरुआत में विद्रोह भड़काने की कोशिश भी शामिल थी। अदालत ने उन्हें सशस्त्र आपराधिक संगठन चलाने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को हिंसा से समाप्त करने की कोशिश के अपराधों में दोषी पाया। अभी तक बोल्सोनारो घर में नजरबंद थे, लेकिन ब्राजील के कानून के अनुसार सजा शुरू होने पर किसी भी दोषी को जेल में जाना जरूरी है। इसलिए शनिवार की गिरफ्तारी का मतलब यह नहीं है कि वे पुलिस मुख्यालय में ही अपनी सजा काटेंगे; उन्हें जेल में शिफ्ट किया जाएगा। बोल्सोनारो के बेटे, सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो, पिछले दो दिनों से सोशल मीडिया पर लोगों से अपने पिता के समर्थन में सड़कों पर उतरने की अपील कर रहे हैं। कई समर्थक दावा कर रहे हैं कि बोल्सोनारो राजनीतिक साजिश का शिकार हैं। जुलाई में अमेरिकी सरकार की ओर से ब्राजील के कई निर्यातों पर 50% तक शुल्क लगाया गया था, जिसमें बोल्सोनारो का नाम एक आदेश में आया था। हालांकि ट्रंप ने शुक्रवार को इन अधिकांश बढ़े हुए शुल्कों को वापस ले लिया।

ताकाइची के बयान के बाद यूएन तक पहुंचा चीन-जापान तनाव

टोक्यो, एजेंसी। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के ताइवान को लेकर दिए गए बयान के बाद चीन और जापान के बीच तनाव और भी बढ़ गया है। ताकाइची ने बीते सात नवंबर को संसद में कहा था कि ताइवान पर चीन के बल प्रयोग जापान के लिए अस्तित्व खतरा बन सकता है। इसके जवाब में चीन ने संयुक्त राष्ट्र को पत्र भेजकर इन टिप्पणियों को गलत और बेहद दुर्भावनापूर्ण बताया।

लास एंजिलिस बंदरगाह पर कंटेनर जहाज में भीषण आग

लास एंजिलिस, एजेंसी। अमेरिका के लास एंजिलिस के बंदरगाह पर शुक्रवार रात एक कंटेनर जहाज में भीषण आग लग गई। दर्जनों दमकलकर्मी तैनात किए गए। वन हेनरी हडसन नामक जहाज पर मौजूद सभी 23 क्रू सदस्य सुरक्षित हैं और कोई घायल नहीं हुआ। आग जहाज के डेक के नीचे इलेक्ट्रिकल फायर के रूप में शुरू हुई और बाद में कई स्तरों तक फैल गई। इस दौरान एक विस्फोट भी हुआ। जहाज पर खतरनाक सामग्री भी लदी हुई है। इसके चलते 100 से अधिक दमकलकर्मी मोर्चे पर लगे हैं।

यमनी सहायता कर्मियों की गिरफ्तारी से परिजन चिंतित

सना, एजेंसी। यमन की राजधानी सना में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के सहायता संगठनों के कर्मचारियों की गिरफ्तारी से परिवारों में भय का माहौल है। जानकारी के मुताबिक, संगठन के कर्मचारियों में शामिल अहमद अल-यमनी की बेटी की शादी के अगले ही दिन नकाबपोश सैनिक उनके घर में घुस आए और उन्हें बिना कारण बताए गिरफ्तार कर ले गए। उनका परिवार महीनों तक उनसे कोई संपर्क नहीं कर पाया। माना जा रहा है कि उनका दोष सिर्फ स्थानीय मानवीय संगठनों के लिए काम करना था।

यूरोप में नेटवर्क बढ़ा रहा है हमास, कमांड मिलते ही हमले की तैयारी; मोसाद ने किया खुलासा

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल की खुफिया सेवा मोसाद ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि हमास यूरोप में गुप्त सेल्स के माध्यम से एक ऑपरेशनल नेटवर्क तैयार कर रहा है। जो कमांड मिलते ही कभी भी धमाका करने की क्षमता रखेगा। मोसाद ने कहा कि यूरोपीय सुरक्षा सेवाओं के साथ सहयोग के चलते हथियारों की खोज हुई है, संदिग्धों की गिरफ्तारी हुई है और कई नियोजित हमलों को रोका गया है। मोसाद के बयान के अनुसार, यूरोपीय सहयोगियों ने इजरायली और यहूदी समुदायों को निशाना बनाने की साजिशों को विफल करने में मदद की।

जर्मनी और ऑस्ट्रिया जैसे देशों में संयुक्त कार्रवाई के परिणामस्वरूप कई संदिग्धों को हिरासत में लिया गया और नागरिकों के खिलाफ कमांड पर उपयोग के लिए तैयार किए गए हथियारों के जखीरे को जब्त किया गया। जांच एजेंसियों को एक प्रमुख सफलता पिछले सितंबर में वियना में मिली। ऑस्ट्रिया की ष्ठस्ह्र सुरक्षा सेवा को हैंडगन और विस्फोटक सामग्री छिपाकर रखे हुए मिली, जिसे बाद में हमास राजनीतिक ब्यूरो के वरिष्ठ अधिकारी बासेम नईम के बेटे मोहम्मद नईम से जोड़ा गया।

मोसाद ने हमास के विदेशी नेतृत्व पर चुपचाप इन प्रयासों को सुविधाजनक बनाने का आरोप लगाया। मोसाद ने कहा, 'संगठन के कतर स्थित नेतृत्व का आतंकी ऑपरेशनों को आगे

बढ़ाने में शामिल होना पहली बार सामने नहीं आया है।' मोसाद ने सितंबर में मोहम्मद नईम और उसके पिता बासेम नईम के बीच कतर में हुई मुलाकात का भी जिक्र किया, जो यूरोप में हमास के औपचारिक समर्थन को दर्शाता है।

जांचकर्ता तुर्की से काम कर रहे हमास-समर्थित व्यक्तियों पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। जर्मन अधिकारियों ने नवंबर में बुरहान अल-खतीब को गिरफ्तार किया। अधिकारियों का कहना है कि वह पहले तुर्की में सक्रिय था। मोसाद ने चेतावनी दी कि वरिष्ठ नेताओं द्वारा चल रहे इनकार दुष्ट गुर्गों पर नेतृत्व के नियंत्रण खोने का संकेत दे सकते हैं।

यूरोपीय खुफिया सेवाओं ने अब सीधे सुरक्षा हस्तक्षेपों से परे कार्रवाई का विस्तार किया है। जर्मनी में अधिकारियों ने फंड जुटाने या चरमपंथी विचारधारा फैलाने में हमास की मदद करने वाली चैरिटी और धार्मिक संस्थानों को निशाना बनाया है, उन्हें महाद्वीप पर संगठन के बुनियादी ढांचे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। मोसाद ने जोर दिया कि हमास ने 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमले के बाद अपनी विदेशी गतिविधियों को तेज कर दिया है, जो ईरान और उसके प्रॉक्सी द्वारा उपयोग की जाने वाली रणनीतियों के समान, विदेशों में गुप्त सेल और परिचालन क्षमताएं बनाने की कोशिश कर रहा है।

मोसाद ने कहा कि वह वर्तमान में दुनिया भर में दर्जनों हमलावर साजिशों को विफल करने के लिए काम कर रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इजरायली और यहूदी समुदायों की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। कई देशों से संदिग्धों को पकड़ा गया मोसाद का कहना है कि हमास का आतंकी नेटवर्क यूरोप में यहूदी समुदाय और इस्राइली नागरिकों पर हमले की साजिश रच रहा था। जर्मनी, ऑस्ट्रिया जैसे देशों में भी मोसाद ने स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वित ऑपरेशन चलाकर कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पिछले सितंबर में वियना में ऑस्ट्रिया की डीएनएस सिक्योरिटी सर्विस ने हथियारों का एक जखीरा ढूंढा, जिनमें विस्फोटक और हैंडगन शामिल थे। सुरक्षा बलों ने मोहम्मद नईम नामक संदिग्ध के बारे में पता लगाया, जांच में पता चला कि मोहम्मद नईम हमास के शीर्ष ब्यूरो अधिकारी बासेम नईम का बेटा है, जो गाजा में हमास के शीर्ष नेता खलील अल-हया का करीबी बताया जा रहा है।

हमास नेतृत्व पर मदद का आरोप : मोसाद ने आरोप लगाया कि हमास का नेतृत्व भी यूरोप में आतंकी नेटवर्क तैयार करने में मदद कर रहा है। तुर्किए में भी हमास के संगठन बेस की जांच चल रही है। जर्मनी ने बीते दिनों हमास ऑपरेटिव बुरहान अल खतीब को गिरफ्तार किया गया। जांच अधिकारियों का कहना है कि वह जर्मनी आने से पहले तुर्किए में ही सक्रिय था। जर्मनी में उन संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को भी टारगेट किया जा रहा है, जिन पर हमास के लिए फंड जुटाने और कट्टरपंथी सोच फैलाने का आरोप है। मोसाद ने दावा किया कि 7 अक्तूबर को इस्राइल पर हमले के बाद से हमास ने अपनी विदेश में गतिविधियों को तेज कर दिया है।

जेलेंस्की को ट्रंप का अल्टीमेटम, बोले- 27 तक शांति योजना स्वीकार करें वरना खो देंगे समर्थन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने के लिए रखी गई शांति योजना में यूक्रेन के सामने कठिन विकल्प रखा है। ट्रंप ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के सामने वाशिंगटन के 28-सूत्रीय प्रस्ताव पर 27 नवंबर तक की समयसीमा (अल्टीमेटम) तय की है।

ट्रंप ने जेलेंस्की ने चेताया, यूक्रेन अपनी गरिमा व आजादी या वाशिंगटन का समर्थन खोने का जोखिम उठा रहा है। फॉक्स न्यूज से बातचीत में ट्रंप बोले-आगामी सर्दियों में रक्तपात को रोकने की जरूरत को देखते हुए समय बहुत कम है और जेलेंस्की को इस योजना को मंजूरी देनी ही होगी। वह बोले, अमेरिकी शांति योजना रूस का समर्थन करती है। जेलेंस्की को यह प्रस्ताव स्वीकार करना ही होगा, और अगर उन्हें यह पसंद नहीं आता है, तो फिर मुझे लगता है कि उन्हें लड़ते रहना चाहिए। ट्रंप ने कहा, उन्हें कहीं न कहीं कुछ ऐसा स्वीकार करना ही होगा जो अब तक नहीं किया गया है।

यथार्थवादी रास्ता पहचाना : इससे पहले टीवी पर जेलेंस्की ने आगाह किया, देश एक महत्वपूर्ण दौर में है। यूक्रेन एक कठिन विकल्प का सामना कर सकता है। उसके सामने सम्मान की हानि या अहम साझेदार को खोने का खतरा है। ट्रंप

ने ओवल दफ्तर में कहा, मैं मानता हूं कि शांति का एक यथार्थवादी रास्ता पहचान लिया गया है, लेकिन प्रस्ताव जेलेंस्की के हस्ताक्षर से ही आगे बढ़ सकता है।

यूरोप का अटूट समर्थन और चिंताएं : यूरोपीय देशों ने यूक्रेन के लिए अपने अटूट समर्थन को दोहराया है, रूस की आक्रामकता को यूरोप के लिए ही अस्तित्वगत खतरा मानते हुए जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटिश नेताओं ने जी-7 सदस्यों से बात भी की। सभी ने यूक्रेन को निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया। जेलेंस्की ने जब कहा कि यूक्रेन को यह चुनना होगा कि वह अपनी गरिमा को जोखिम में डालना चाहता है या एक प्रमुख सहयोगी को खोना चाहता है, तो ट्रंप ने चेतावनी दी कि यूक्रेन अपना भूभाग खो रहा है और कुछ ही समय में खो देगा। जेलेंस्की ने कहा-कीव शांति को संभव बनाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के स्तर पर अमेरिका और यूरोप के साथ मिलकर काम करने पर सहमत हो गया है।

सीजफायर के बाद भी नहीं मान रहा इस्राइल: गाजा में फिर की एयरस्ट्राइक, 24 लोगों की मौत; अस्पतालों ने की पुष्टि

गाजा, एजेंसी। इस्राइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने शनिवार को हमास ठिकानों में हवाई हमले किए, जिनमें 24 लोगों की मौत हो गई और 54 लोग घायल हुए। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। इस्राइली सेना ने दावा किया कि ये हमले उन हमास लड़ाकों के जवाब में किए गए, जिन्होंने संघर्षविराम के बावजूद इस्राइल-नियंत्रित क्षेत्र में घुसकर सैनिकों पर गोली चलाई। सेना ने इस घटना को सीजफायर का गंभीर उल्लंघन बताया। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि कार्रवाई में हमास के पांच वरिष्ठ सदस्य मारे गए, जबकि हमास ने आरोप लगाया कि इस्राइल बहाने बनाकर युद्ध फिर शुरू करना चाहता है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका द्वारा कराए गए युद्धविराम के बावजूद इस्राइल अब तक गाजा में 394 हमले कर चुका है, जिनमें 300 से अधिक लोग मारे गए और करीब 700 से ज्यादा घायल हुए। इससे पहले बुधवार को भी आईडीएफ ने गाजा में हमले कर 25 लोगों को मार दिया था, जब इस्राइल ने दावा किया कि हमास ने युद्धविराम का उल्लंघन किया है। कई हमले, कई मोहल्ले तबाह गाजा में कई इलाकों पर एक के बाद एक हुए हमलों ने पूरे माहौल को दहशत से भर दिया। गाजा सिटी के रिमाल क्षेत्र में एक वाहन को निशाना बनाए गए हमले में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक गंभीर रूप से घायल हुए। शिफा अस्पताल के डॉक्टरों के मुताबिक, घायलों में बड़ी संख्या में बच्चे शामिल हैं। इसी के साथ, अल-अवदा अस्पताल के पास एक मकान पर हुए हमले में 3 लोगों की जान गई और 11 घायल हुए। नुसेरात कैंप में एक घर पर किए गए हमले में सात लोगों की मौत हुई, जिनमें एक बच्चा भी शामिल था। दैर अल-बलाह में एक और आवासीय घर को निशाना बनाए जाने से तीन लोगों की मौत हुई, जिनमें एक महिला भी थी। दैर अल-बलाह के खालिल अबू हातब ने भयावह दृश्य बताते हुए कहा अचानक जोरदार धमाका हुआ और चारों तरफ धुआं ही धुआं फैल गया। कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। यह कैसा संघर्षविराम है? यहां तो कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है।

वेनेजुएला में तख्तापलट करा सकता है अमेरिका:सीक्रेट ऑपरेशन की तैयारी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका और लैटिन अमेरिकी देश वेनेजुएला के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में वेनेजुएला के खिलाफ नया ऑपरेशन शुरू हो सकता है। ट्रम्प प्रशासन वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का तख्तापलट भी करवा सकता है। यह जानकारी न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से दी है।

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक शुरुआत सीक्रेट ऑपरेशन से हो सकती है। अभी साफ नहीं है कि यह कदम कब उठाया जाएगा और इसका दायरा कितना बड़ा होगा, लेकिन इतना जरूर है कि ट्रम्प प्रशासन इसे लेकर काफी गंभीर है। हाल के हफ्तों में अमेरिकी सेना ने कैरेबियाई इलाके में बड़ी संख्या में जहाज, विमान और सैनिक तैनात किए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच टकराव की आशंका बढ़ गई है। अमेरिका बोला- हर तरह की ताकत

का इस्तेमाल करेंगे अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन और सीक्रेट एजेंसी सीआईए इस पूरे मामले पर कुछ भी कहने से बच रहे हैं। व्हाइट हाउस का कहना है कि राष्ट्रपति ट्रम्प ड्रग तस्करी रोकने के लिए हर तरह की ताकत का इस्तेमाल करने को तैयार हैं। कैरेबियाई इलाके में बीते कुछ महीनों से अमेरिकी सेना का जमावड़ा लगातार बढ़ रहा है। सबसे बड़ा अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर 'जेराल्ड आर फोर्ड' और उसके साथ कई युद्धपोत, एक परमाणु पनडुब्बी और स्त्र-35 विमान तैनात किए गए हैं। मादुरो ड्रग तस्करी का आरोप लगा रहा अमेरिका अमेरिका लंबे समय से मादुरो पर आरोप लगाता रहा है कि वह ड्रग तस्करी में शामिल हैं, हालांकि मादुरो इन आरोपों को साफ तौर पर झूठा बताते हैं। दूसरी तरफ मादुरो का कहना है कि अमेरिका उन्हें सत्ता से निकालना चाहता है, लेकिन देश और सेना किसी भी बाहरी दखल का विरोध करेगी। अमेरिकी सेना सितंबर से अब तक दर्जनों ड्रग बोट्स पर हमले कर चुकी है, जिनमें 80 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि अमेरिका बिना सबूत के लोगों को मार रहा है और यह अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। वेनेजुएला के एयरस्पेस से उड़ान भरने को लेकर चेतावनी जारी हालात और तनावपूर्ण तब हो गए जब अमेरिका की फेडरल एविएशन एजेंसी (एफएए) ने वेनेजुएला के ऊपर उड़ान भरने को लेकर चेतावनी जारी कर दी। एफएए ने कहा कि वेनेजुएला के एयर स्पेस में मिलिट्री एक्टिविटी बढ़ गई है और जीपीएस सिस्टम में दखल जैसी समस्याएं देखी गई हैं, जो उड़ानों के लिए खतरा पैदा कर सकती हैं। हालांकि वेनेजुएला ने कभी नागरिक विमानों को निशाना बनाने की बात नहीं कही है। इस चेतावनी के बाद कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ने वेनेजुएला से उड़ानें रद्द कर दीं। टकराव के बीच दोनों देशों में बातचीत भी जारी इस बीच अमेरिका सोमवार को 'कार्टेल दे लॉस सोल्स' को विदेशी आतंकी संगठन घोषित करने जा रहा है।

अमेरिका का आरोप है कि मादुरो इस संगठन का नेता है, जबकि मादुरो इसे पूरी तरह नकारते हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा है कि आतंकी संगठन घोषित होने के बाद अमेरिका के पास कई नए विकल्प खुल जाएंगे, यानी सैन्य कार्रवाई की संभावना और बढ़ सकती है। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच बातचीत भी चल रही है, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि बातचीत से तनाव कम होगा या अमेरिकी प्लानिंग में कोई बदलाव आएगा। अमेरिका ने मादुरो की गिरफ्तारी पर इनाम भी बढ़ाकर 50 मिलियन डॉलर कर दिया है।

नाइजीरिया के कैथोलिक स्कूल पर हमले में 300 से अधिक बच्चों का अपहरण

नाइजर, एजेंसी। नाइजीरिया के नाइजर में बंदूकधारियों ने एक कैथोलिक संस्थान पर शुक्रवार को हमला कर 303 स्कूली छात्रों और 12 अध्यापकों का अपहरण कर लिया। देश के 'क्रिश्चियन एसोसिएशन ऑफ नाइजीरिया' (सीएएन) ने यह जानकारी दी। सीएएन ने पहले बताया था कि 215 छात्रों का अपहरण किया गया है। सीएएन की नाइजर राज्य शाखा के अध्यक्ष 'मोस्ट रेवरेंड' बुलुस दाऊवा योहाना के अनुसार, ''सत्यापन प्रक्रिया और अंतिम गणना के बाद'' संख्या में बदलाव किया गया। योहाना ने शुक्रवार को स्कूल का दौरा किया था। उन्होंने बताया कि हमले के दौरान 88 अन्य छात्रों को ''भागने की

कोशिश करते समय पकड़ लिया गया।'' इनमें लड़के और लड़कियां शामिल हैं और उनकी उम्र 10 से 18 साल के बीच है। हमला और अपहरण की यह घटना 'सेंट मैरीज स्कूल' में हुई, जो अग्वारा स्थानीय सरकार के पापिरी समुदाय में स्थित एक कैथोलिक संस्थान है। नाइजर राज्य पुलिस कमान ने कहा कि अपहरण की घटना तड़के हुई और उसके बाद से इलाके में सेना एवं सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। उसने बताया कि सेंट मैरीज एक माध्यमिक विद्यालय है। उपग्रह से ली गई तस्वीरों से पता चलता है कि स्कूल परिसर एक निकटवर्ती प्राथमिक विद्यालय से जुड़ा हुआ है और इसमें 50 से अधिक कक्षाएं और छात्रावास हैं। यह येल्वा और मोक्वा कस्बों को जोड़ने वाली एक प्रमुख सड़क के पास स्थित है। स्थानीय निवासी दाउदा चेकुला (62) ने बताया कि अपहृत स्कूली बच्चों में उनके चार पोते-पोतियां भी शामिल हैं, जिनकी उम्र सात से 10 साल के बीच है। नाइजर राज्य सरकार के सचिव द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि पूर्व में दी गई खुफिया चेतावनी के बावजूद यह अपहरण हुआ। बयान में कहा गया, ''सेंट मैरीज स्कूल ने राज्य सरकार को सूचित किए बिना या उसकी मंजूरी लिए बिना ही शैक्षणिक गतिविधियां पुनः शुरू कर दीं, जिससे विद्यार्थियों और कर्मचारियों को अनावश्यक जोखिम का सामना करना पड़ा।'' अभी तक किसी भी समूह ने अपहरण की जिम्मेदारी नहीं ली है। योहाना ने राज्य सरकार के इस दावे को झूठा बताया कि नाइजर राज्य के इस क्षेत्र के विद्यालयों को सुरक्षा खतरों के कारण अस्थायी रूप से बंद करने का निर्देश दिए जाने के बावजूद स्कूल को खोला गया।

टैरिफ की धमकी देकर 8 में से 5 युद्धों को रुकवाया, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने 8 में से 5 युद्धों को रोकने के लिए टैरिफ का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि यूएस दुनिया भर के देशों से टैरिफ के रूप में खरबों डॉलर कमा रहा है, जिससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को फायदा हुआ है। ट्रुथ सोशल पर एक लंबे पोस्ट में ट्रंप ने लिखा, 'हम विदेशों से टैरिफ और निवेश के रूप में खरबों डॉलर कमा रहे हैं। मैंने आठ में से पांच युद्धों को टैरिफ की धमकी के जरिए रोका है। अगर वे लड़ना बंद नहीं करेंगे या फिर शुरू करेंगे तो टैरिफ लगा दूंगा। डोनाल्ड ट्रंप भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव को रोकने का दावा कई बार कर चुके हैं। हालांकि, भारत ने कभी भी ट्रंप की उस सीजफायर समझौते में भूमिका की पुष्टि नहीं की है। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन पर तंज कसते हुए ट्रंप ने दावा किया कि अभी महंगाई लगभग शून्य है, जबकि स्लिपी जो बाइडेन के समय यह अमेरिकी इतिहास में सबसे खराब स्तर पर थी। उन्होंने लिखा, 'स्टॉक मार्केट ने 9 महीनों में 48वीं बार ऑल टाइम हाई छुआ है। जिन देशों ने वर्षों से अपने टैरिफ के जरिए अमेरिका को लूटा है, अब हमारा कोर्ट सिस्टम आपको हमारे देश को बर्बाद करने की इजाजत नहीं देगा। ट्रंप ने किस तरह का टैरिफ लगाया राष्ट्रपति ट्रंप ने जोर देकर कहा कि अभी अमेरिका अपनी पूरी इतिहास में सबसे अमीर, सबसे मजबूत और सबसे सम्मानित देश है। इसके पीछे का कारण 5 नवंबर 2024 (अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की तारीख) और टैरिफ हैं। ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम का उपयोग करते हुए टैरिफ लगाए हैं। इनमें बेसलाइन 10 प्रतिशत टैरिफ सभी आयात पर है, जबकि बड़े व्यापार घाटे वाले देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाए गए हैं, जो 15 से 41 प्रतिशत तक या इससे अधिक हैं। चीन पर कुल 54, भारत-ब्राजील पर 50, यूरोपीय संघ-जापान पर 15 और कनाडा पर 35 टैरिफ लगाया है। स्टील, एल्यूमीनियम, तांबा पर 50 और कारों पर 25प्रतिशत जैसे प्रोडक्ट स्पेशल टैरिफ भी हैं।

एक और देश में विद्रोह की चिंगारी भड़की, सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरे हजारों लोग

ट्यूनिस, एजेंसी। उत्तरी अफ्रीकी देश ट्यूनीशिया में भी सरकार विरोधी प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। शनिवार को हजारों की संख्या में लोग राष्ट्रपति काइस सईद के खिलाफ राजधानी ट्यूनिश की सड़कों पर उतरे। लोग राष्ट्रपति सईद की बढ़ती कथित तानाशाही और जेल में बंद राजनीतिक कैदियों की रिहाई की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने 'अन्याय के खिलाफ' बैनर के तले विरोध प्रदर्शन किया, जिसका नेतृत्व जेल में बंद राजनीतिक कैदियों के परिवारों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने किया।

राष्ट्रपति सईद पर न्यायपालिका में दखलअंदाजी का आरोप : प्रदर्शन में हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी शामिल हुए, जिन्होंने सरकार विरोधी नारे लगाए। ये प्रदर्शन ऐसे समय हो रहे हैं, जब ट्यूनीशिया आर्थिक और राजनीतिक स्तर पर परेशानियों से घिरा हुआ है। इससे पहले गुरुवार को ट्यूनीशिया के पत्रकारों ने भी सरकार विरोधी प्रदर्शन किए। दरअसल पत्रकारों ने प्रेस की आजादी को दबाने और प्रमुख नागरिक समाज संगठनों के खिलाफ कार्रवाई विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि राष्ट्रपति सईद न्यायपालिका में दखलअंदाजी कर रहे हैं। साथ ही उन पर अपने राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल करने आरोप है।

जेल में बंद विपक्षी नेताओं के परिजन विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए : जेल में बंद विपक्षी नेता अब्देलहामिद जलसी की पत्नी मोनिया ब्राहिम ने कहा कि वह मार्च में इसलिए शामिल हुईं क्योंकि उनका मानना है कि कई ट्यूनीशियाई लोगों के साथ बहुत नाइंसाफी हो रही है। मैं एक नागरिक के तौर पर अपने अधिकारों की रक्षा करने आई हूं।' उन्होंने कहा कि 'राजनीतिक कैदी अच्छी तरह जानते हैं कि वे अपने उसूलों, सिविल और पॉलिटिकल

एक्टिविज्म के अपने संवैधानिक हक की कीमत चुकाने के लिए जेल में हैं, और आज ट्यूनीशिया में बनी सरकार उन्हें बंधक बनाए हुए है।' हिरासत में लिए गए लोगों में से कुछ भूख हड़ताल पर हैं, जिसमें संवैधानिक कानून के प्रोफेसर जाहेर बेन म्बारेक भी शामिल हैं, जो 20 दिनों से ज़्यादा समय से हड़ताल पर हैं। ट्यूनीशिया में बढ़ते दमन पर कई मानवाधिकार संगठनों ने चिंता जताई है। ह्यूमन राइट्स वॉच ने कहा है कि 2022 के आखिर से 50 से ज़्यादा लोगों को, जिनमें राजनेता, वकील, पत्रकार और एक्टिविस्ट शामिल हैं, अपनी बात कहने की आजादी, शांति से इकट्ठा होने या राजनीतिक गतिविधि चलाने के अधिकार का इस्तेमाल करने के लिए गिरफ्तार किया गया। राइट्स ग्रुप ने यह भी चेतावनी दी कि बड़े पैमाने पर एंटी-टेररिज्म और साइबरक्राइम कानूनों का इस्तेमाल असहमति को दबाने के लिए किया जा रहा है।

मार्को जानसन के 6 विकेटों ने ढाया कहर: भारतीय टीम 201 रनों पर सिमटी, दक्षिण अफ्रीका की 314 रनों की बढ़त

गुवाहाटी (एजेंसी)। गुवाहाटी में चल रहे दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका ने भारत को सिर्फ़ 201 रनों पर आउट कर 288 रनों की विशाल बढ़त हासिल कर ली। मेहमान टीम की पहली पारी में शानदार प्रदर्शन करने वाले मार्को जेनसन ने 48 रन देकर 6 विकेट लिए, जिससे भारतीय बल्लेबाजी क्रम लड़खड़ा गया। भारतीय टीम को कमज़ोर स्कोर पर आउट करने के बाद, दक्षिण अफ्रीका ने फिर से बल्लेबाजी की और तीसरे दिन का खेल आठ ओवर में 26/0 पर समाप्त हुआ। सलामी बल्लेबाज़ एडेन मार्करम (12*) और रयान रिकेल्टन (13*) नाबाद क्रीज़ पर थे और दक्षिण अफ्रीका 314 रनों की बढ़त के साथ आगे था।

भारत ने लंच के बाद के सत्र में 174/7 के स्कोर से शुरुआत की, जिसमें वाशिंगटन सुंदर (33*) और कुलदीप यादव (14*) नाबाद रहे और भारत 315 रनों से पीछे था। वाशिंगटन और कुलदीप ने सतर्कता से खेलते हुए बीच-बीच में चौके भी लगाए। हालांकि, प्रोटियाज़ स्पिनर साइमन हार्मर ने दिन का अपना तीसरा विकेट हासिल किया और वाशिंगटन को आउट कर दिया, जिससे भारत की विरोधी टीम की बढ़त को और कम करने की उम्मीदों पर पानी फिर गया। हार्मर की आउटसाइड ऑफ स्टंप गेंद पर वाशिंगटन ने पहली स्लिप में खड़े एडेन मार्करम को कैच थमा दिया। वाशिंगटन ने 92 गेंदों पर 48 रन बनाने के बाद अपना विकेट गंवा दिया, जिससे भारत का स्कोर 194/8 हो गया।

जसप्रीत बुमराह के रूप में नए बल्लेबाज़ कुलदीप के साथ क्रीज़ पर थे, और जैनसन, जो पहले ही चार विकेट ले चुके थे, दूसरे छोर से भारतीय पुछल्ले बल्लेबाज़ों को लगातार परेशान कर रहे थे। दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज़ों ने 81वें ओवर में दूसरी नई गेंद ली और कुछ ही देर में कुलदीप भी आउट हो गए। 82वें ओवर में जैनसन ने अपना विकेट गंवा दिया और भारत का स्कोर 194/9 हो गया। कुलदीप ने 134 गेंदों पर 19 रन की ज़बरदस्त पारी खेलने के बाद शॉर्ट-लेंथ गेंद पर दूसरी स्लिप में मार्करम को कैच थमा दिया। कुलदीप के विकेट के साथ ही जैनसन ने पाँच विकेट पूरे कर लिए।

मोहम्मद सिराज और बुमराह के क्रीज़ पर रहते हुए, भारत ने सात रन और जोड़े, इससे पहले जैनसन ने बुमराह का भी विकेट लिया, जिससे पारी में उनके विकेटों की संख्या छह हो गई। इससे पहले, भारत ने दूसरे सत्र की शुरुआत 102/4 से की, जिसमें कप्तान ऋषभ पंत (6*) और रवींद्र जडेजा (0*) नाबाद थे। मेजबान टीम का बल्लेबाजी में संदिग्ध रवैया जारी रहा, क्योंकि कप्तान पंत ने एक जोरदार शॉट खेला, लेकिन गेंद दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर काइल वेरिन के हाथों में चली गई।

पंत भारत के स्कोर में सिर्फ़ सात रन ही जोड़ पाए और भारत ने 37.2 ओवर में 109 रन पर अपनी आधी टीम गंवा दी। नितीश कुमार रेड्डी भी ज़्यादा देर तक क्रीज़ पर नहीं

टिक सके और एडेन मार्करम के शानदार कैच ने उनकी पारी का अंत कर दिया, जो 18 गेंदों में 10 रन पर थी। जेनसन अपनी लंबाई और उछाल से भारत को परेशान करते रहे, जिसका सामना करना जडेजा के लिए भी मुश्किल रहा। रवींद्र जडेजा के आउट होने के साथ ही भारत का स्कोर 43.3 ओवर में 122/7 हो गया। वाशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव ने बल्ले से भारत की लड़ाई को और लंबा खींचा और 56.3 ओवर में भारत को 150 के पार पहुँचा दिया। सुंदर ने जहाँ कुछ आक्रामक शॉट लगाए, वहीं कुलदीप ने भी कुछ रन बटोरे।

अब राहुल की कप्तानी में खेलते नजर आयेंगे विराट और रोहित

मुम्बई (एजेंसी)। अनभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा और विराट कोहली को प्रशंसक अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में खेलते हुए देख पायेंगे। ये सीरीज इस माह के अंत में खेली जाएगी। इस सीरीज में भारतीय टीम के एल राहुल की कप्तानी में उतरेगी। ऐसे में ये दोनो ही दिग्गज शुभमन गिल के बाद अब राहुल की कप्तानी में खेलते हुए दिखेंगे। इसमें सभी की नजरें विराट और रोहित के प्रदर्शन पर रहेंगी। प्रशंसक भी इनसे बड़ी पारी की उम्मीद करेंगे। इस सीरीज में प्रदर्शन के आधार पर ही इन दोनो को आगे अवसर मिलेगा।

इस सीरीज के लिए बीसीसीआई ने रविवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। शुभमन की गर्दन में अकड़न के कारण उनकी जगह राहुल को कप्तानी मिली है। इससे पहले रोहित और विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में शुभमन की कप्तानी में एकदिवसीय सीरीज खेली थी। रोहित और विराट के होने से शीर्ष और मध्य क्रम मजबूत होगा। इससे टीम मे स्थायित्व आने की संभावना है। वहीं उप कप्तान की जिम्मेदारी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को दी गयी है। इसी सीरीज में शुभमन की जगह पर रुतुराज गायकवाड़ को शामिल किया गय है। रुतुराज ने भारत ए की ओर से हाल में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके अलावा ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भी इसी सीरीज में खेलेंगे। एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले तिलक वर्मा को भी इस टीम में शामिल किया गया है।

टोक्यो से भी बड़ा कारनामा! ब्लाइंड महिला टी20 विश्व कप भारत ने जीता, पीएम-जय शाह ने सराहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार आयोजित हुए दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप में जीत के लिए भारतीय महिला टीम को बधाई दी और कहा कि यह कड़ी मेहनत, टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का एक शानदार उदाहरण है। भारत ने दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप के पहले संस्करण को जीतकर इतिहास रच दिया। भारत ने रविवार को कोलंबो में एकतरफा फाइनल में नेपाल को सात विकेट से हराया।

प्रधानमंत्री मोदी ने X पर पोस्ट किया कि भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम को पहला दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप जीतकर इतिहास रचने के लिए बधाई! इससे भी अधिक सराहनीय बात यह है कि वे श्रृंखला में अपराजित रहीं। यह वास्तव में एक ऐतिहासिक खेल उपलब्धि है, कड़ी मेहनत, टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का एक शानदार उदाहरण है। प्रत्येक खिलाड़ी एक चैंपियन है! टीम को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएँ। यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।

भारतीय टीम को दूसरा टेस्ट जीतने आक्रामक रणनीति अपनानी होंगी: शास्त्री

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी टेस्ट में भारतीय टीम को अगर जीत दर्ज करनी है तो उसे आक्रामक बल्लेबाजी करने होगी। शास्त्री ने कहा कि भारतीय बल्लेबाजों को अधिक समय खराब न करते हुए तेजी से रन बनाने चाहिए। साथ ही पहली पारी में हो सके तो दक्षिण अफ्रीका से कम रनों पर भी पारी घोषित कर दे। गौरतलब है कि भारतीय टीम ने टेस्ट क्रिकेट में केवल 4 बार दूसरी पारी में विरोधी टीम से कम पर पारी घोषित की है, इसमें एक भी बार भी भारतीय टीम को जीत नहीं मिली है। भारतीय टीम एक मैच हारी जबकि तीन ड्रॉ रहे हैं।

शास्त्री ने कहा, 'भारतीय टीम को तय करना होगा कि वे नई गेंद का सामना कैसे करते हैं, फिर गेम को आगे बढ़ाएं और जीत दर्ज करें। उन्हें फैसले लेने होंगे, जिसका अर्थ है कि आप शायद पहले घोषित करना चाहें, फिर दूसरी पारी में विरोधी टीम को जल्दी आउट करने के प्रयास करें।' उन्होंने साथ ही कहा, 'आपको ये अवसर लेने होंगे। आप दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी के 489 रन से आगे बल्लेबाजी करने का इंतजार नहीं कर सकते इसमें बहुत समय लगेगा।'

गौरतलब है कि टेस्ट क्रिकेट में 33 बार टीमों ने दूसरी पारी में पीछे होने पर पारी घोषित की है पर इसमें केवल तीन अवसरों पर ही इन टीमों को जीत मिली है। भारतीय टीम ने ऐसा चार बार किया है पर उन्हें एक बार भी जीत नहीं मिली। उन्हें एकमात्र हार 1948 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में मिली थी, जब उन्होंने 103 रन कम पर पारी घोषित की थी। वहीं तीन अन्य बार मुकाबले ड्रॉ रहे थे।

संजू सैमसन को वनडे टीम में जगह न मिलने पर भड़के अनिल कुंबले

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर अनिल कुंबले ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस माह के अंत में होने वाली एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसम को शामिल नहीं किये जाने की आलोचना की है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीसीआई) ने 30 नवंबर से शुरू होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए केएल राहुल को टीम का कमान बनाया है क्योंकि नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन की अकड़न के कारण इस सीरीज से बाहर हैं। इस सीरीज के लिए युवा बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़, ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की टीम में वापसी हुई है पर सैमसन को एक बार फिर अवसर नहीं मिला है। माना जा रहा है कि चयनकर्ताओं ने सैमसन के अच्छे फार्म के बाद भी उनकी उपेक्षा की है। कुंबले का मानना है कि सैमसन ने पिछले कुछ समय में एकदिवसीय प्रारुप में अपनी बल्लेबाजी बेहतर बनायी है। इसके आधार पर वह टीम में जगह पाने के अधिकारी थे। कुंबले ने कहा, मैं सैमसन का देखना चाहूंगा। क्योंकि मुझे लगता है उन्होंने कुछ साल पहले जो एकदिवसीय खेला था, उसमें शतक लगाया था। मैं जानता हूं कि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय दल में शामिल नहीं थे। वहीं ऋषभ पंत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में जगह दी गई है। वह लंबे समय बाद एकदिवसीय में वापसी में सफल रहे हैं।

वेंकटेश प्रसाद बन सकते हैं दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2026 सीजन के लिए मुनाफ पटेल की जगह पर पूर्व भारतीय गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद को अपना नया गेंदबाजी कोच बना सकती है। इस कारण है कि मुनाफ के रहते टीम के गेंदबाजों का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। वहीं प्रसाद का अपने करियर के दौरान प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है संन्यास के बाद वह कोच के तौर पर भी सफल रहे हैं। जिसको देखते हुए कैपिल्स टीम उन्हें शामिल करना चाहती है। वहीं मुनाफ साल 2025 में कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच थे और उनके मार्गदर्शन में गेंदबाज प्रभावित नहीं कर पाये टीम प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पायी। कैपिटल्स लीग के 18वें सीजन में लगातार चार जीत के बाद भी अंक तालिका में पांचवें स्थान पर रही। इसी को देखते हुए कैपिटल्स नये सत्र में टीम नई सोच के साथ उतरना चाहती है और इसके लिए कोचिंग टीम में बदलाव करने जा रही है। अपने पहले आईपीएल खिताब को तलाश रही कैपिटल्स के गेंदबाजी विभाग को वेंकटेश के आने से मजबूती मिलेगी। उनके नाम को लेकर सोशल मीडिया में अटकलें जारी हैं पर कैपिटल्स ने अभी तक आधिकारिक रूप से कोई बयान नहीं दिया है। फ्रेंचाइजी ने सीजन की शुरुआत शानदार प्रदर्शन के साथ की थी पर वह कमजोर गेंदबाजी के कारण दूसरे हिस्से में लड़खड़ा गयी। इसके पीछे उनकी खराब बल्लेबाजी और कमजोर गेंदबाजी रणनीति थी।

शुभमन की गर्दन की जकड़न बनी रहस्य : किसी भी तरह की नर्व चोट नहीं पायी गयी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल की गर्दन की अकड़न को लेकर अभी तक रहस्य बना हुआ है। शुभमन इसी कारण दूसरे टेस्ट के साथ ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर हो गये हैं। वहीं जांच रिपोर्ट्स के अनुसार शुभमन को किसी भी तरह की नर्व चोट नहीं है। इसके बाद भी शुभमन के दर्द से उबरने में हो रही देरी से सभी हैरान हैं। सभी हैरान हैं कि उनकी रिकवरी में इतना समय क्यों लग रहा है। साधारण हालातों में गर्दन की अकड़न आम है। यही वजह थी कि वे टीम के साथ दूसरे टेस्ट के लिए गुवाहाटी भी गये थे पर आराम नहीं मिलने के कारण अचानक ही जांच के लिए मुम्बई चले गये। अगर गर्दन की अकड़न 2 दिन में ठीक न हो, तो इसे पूरी तरह ठीक होने में 15-20 दिन तक लग सकते हैं पर परे आराम की जरुरत होती है। वहीं यदि आराम का समय न हो, तो डॉक्टर एक ऐसा इंजेक्शन देते हैं जो रिकवरी की प्रक्रिया को तेज कर देता है। इंजेक्शन का पूरा असर दिखने में लगभग 3 दिन लगते हैं। इसके बाद खिलाड़ी रीहैब शुरू कर सकता है। शुभमन को यह इंजेक्शन दे दिया गया है और प्राप्त जानकारी के अनुसार वे अब पहले से काफी बेहतर महसूस कर रहे हैं। इसी कारण अब एक-दो दिन में उनका रीहैब शुरू हो जाएगा। वे कितनी जल्दी मैदान पर लौटेंगे, यह उनके रीहैब की गति पर निर्भर करेगा. डॉक्टरों को भरोसा है कि अगर सब ठीक रहा, तो शुभमन टी20 सीरीज में खेल सकते हैं हालांकि ये अभी तक तय नहीं है।

इटली ने स्पेन को हराकर लगातार तीसरी बार डेविस कप जीता, जानें पहले किस देश ने किया ऐसा

बोलोग्ना (इटली) (एजेंसी)। इटली ने यानिक सिनर की अनुपस्थिति के बावजूद स्पेन को हराकर लगातार तीसरी बार डेविस कप का खिताब जीता और इस तरह से इस प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट में अपनी बादशाहत बरकरार रखी। सिनर की अनुपस्थिति में मैटियो बेरेटिनी और फ्लेवियो कोबोली इटली के लिए स्टार रहे। इन दोनों ने अपने एकल मैच जीतकर इटली को फाइनल में स्पेन पर 2-0 की अजेय बढ़त दिलाई।

यह इटली का लगातार तीसरा और कुल चौथा डेविस कप खिताब है। लगातार तीन खिताब जीतने वाला आखिरी देश अमेरिका था, जिसने 1968 से 1972 तक लगातार पांच खिताब जीते थे। पिछले दो वर्षों में इटली को डेविस कप का खिताब

दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी सिनर ने अगले सत्र की तैयारी के लिए इस बार डेविस कप में भाग नहीं लिया।

यही नहीं इटली के विश्व में आठवें नंबर के खिलाड़ी लोरेंजो मुसेट्टी भी नहीं खेल रहे थे। इटली को उनकी जरूरत नहीं पड़ी। उसने इस सप्ताह बोलोग्ना के सुपरटेनिस ऐरेना में अपने तीनों मैच 2-0 से जीते। इटली ने क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रिया तथा सेमीफाइनल में बेल्जियम को हराया। स्पेन भी अपने स्टार खिलाड़ी और विश्व में शीर्ष रैंकिंग वाले कार्लोस अल्काराज़ के बिना खेल रहा था।

फाइनल में बेरेटिनी ने पाब्लो कैरेनो बुस्टा को 6-3, 6-4 से हराया। उसके बाद कोबोली ने जौम मुनार को 1-6, 7-6 (5), 7-5 से हराकर इटली की जीत सुनिश्चित की। इटली ने पहली बार 1976 में डेविस कप जीता था। उसके बाद उसने 2023 और 2024 में मलागा में खिताब जीता था। यह पहली बार है जब उसने अपनी धरती पर जीत हासिल की है। छह बार का चैंपियन स्पेन 2019 के बाद पहली बार खिताबी मुकाबले में खेल रहा था।

स्मृति मंधाना के मंगेतर पलाश भी बीमार हुए, अस्पताल ले जाया गया, तबियत में सुधार के बाद होटल लौटे

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना की परेशानियां बढ़ती जा रही है। उनके पिता को जहां रविवार को दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं अब उनके मंगेतर पलाश मुच्छल के भी बीमार होने की जानकारी मिली है। पलाश को इसके बाद अस्पताल ले जाया गया हालांकि तबीयत में सुधार होने की वजह से वह वापस होटल रूम में लौट आये हैं। कहा जा रहा है कि उन्हें एसीडिटी और संक्रमण हुआ था पर अब वह ठीक हैं। मंधाना ने पिता की तबीयत खराब होने की वजह से ही अपनी शादी भी टाल दी है। वहीं मंधाना परिवार के डॉक्टर, डॉ. नमन शाह ने कहा कि एक चिकित्सा टीम उनके पिता की सेहत पर नजर रख रही है। अगर उनकी तबियत स्थिर रहती है तो उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। उन्होंने कहा, रविवार को करीब 1.30 बजे स्मृति के पिता श्रीनिवास मंधाना को बाईं ओर सीने में दर्द हुआ। जैसे ही लक्षण दिखे, उनके बेटे ने मुझे फ़ोन किया, हमने एम्बुलेंस भेजी, उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया। हमें ईसीसी व दूसरी रिपोर्ट्स में पता चला कि कार्डियक एंजाइम बढ़े हुए हैं, इसलिए हमें उन्हें ऑब्ज़र्वेशन में रखा। उन्होंने साथ ही कहा, उनका ब्लड प्रेशर भी बढ़ा हुआ है, इसे कम करने के प्रयास जारी हैं। पूरी टीम उनका ध्यान रख रही है। ऐसे में अगर उनकी हालत बिगड़ती है, तो हमें एंजियोग्राफी करनी होगी।

पाकिस्तान टीम ने बांग्लादेश को सुपर ओवर में हराकर राइजिंग स्टार्स एशिया कप ट्रॉफी जीती

दोहा (एजेंसी)। पाकिस्तान ए ने राइजिंग स्टार्स एशिया कप ट्रॉफी जीत ली है। पाक ए टीम ने खिताबी मुकाबले में बांग्लादेश को हराया। पाकिस्तान ए की टीम ने इसी के साथ ही तीसरी बार से ट्रॉफी अपने नाम की है। इस टूर्नामेंट का फाइनल काफी संघर्षपूर्ण रहा और सुपर ओवर में विजेता का फैसला हुआ। फाइनल में दोनो ही टीमों ने तय ओवरों में 125-125 रन बनाये जिसके कारण मैच का फैसला सुपर ओवर में हुआ। इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसके सलामी बल्लेबाज यासिर खान पारी की पहली ही गेंद पर आउट हो गये। दूसरे ओवर में मोहम्मद फैक भी खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गये। विकेटकीपर बल्लेबाज गाजी गोरी ने 9 गेंद में नौ रन बनाए। इसके बाद साद मसूद ने 26 गेंदों पर 3 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से 38 रन बनाये और पारी को संभाला। अराफात मिन्हास ने 25 रन और माज सदाकत ने 23 रन बनाये। वहीं बांग्लादेश की ओर से रिपोन मोंडोल ने तीन जबकि रकिबुल हसन ने दो विकेट लिए। इसके बाद 126 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश को शुरुआत अच्छी रही पर 22 के स्कोर पर पहला विकेट गिरने के बाद टीम ने एक के बाद एक विकेट खो दिये। बांग्लादेश ए की टीम ने एक समय 96 रन पर 9 विकेट गंवा दिये थे पर 10वें नंबर के बल्लेबाज अब्दुल गफ्फार सकलैन ने नाबाद 16 और 11वें नंबर के रिपोन मोंडोल ने नाबाद 11 रन बनाये। इनके बीच 29 रनों की साझेदारी से मैच टाई को गया। पाकिस्तान के लिए सुफियान मुकीम ने 3 विकेट जबकि अहमद दानियाल ने 2 विकेट लिए। इसके बाद सुपर ओवर में पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश ए की टीम उम्मीद के मुताबिक रन नहीं बना पायी। केवल 6 रन ही बना सके और 3 गेंदों में अपने दोनों विकेट खो दिए। इसके बाद जीत के लिए पाकिस्तान ए को 7 रनों का लक्ष्य मिला, जिसे साद मसूद और माज सदाकत की जोड़ी ने केवल 4 गेंदों में ही हासिल कर लिया।

लियोनेल मेसी ने रचा इतिहास, इंटर मियामी की 4-0 से धमाकेदार जीत

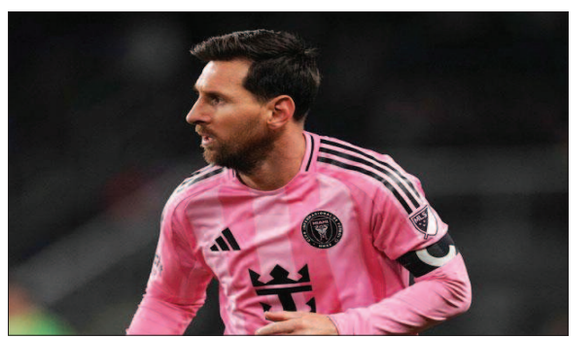

स्पोर्ट्स डेस्क - फुटबॉल के बादशाह लियोनेल मेसी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उम्र सिर्फ एक संख्या है और महानता कभी फीकी नहीं पड़ती। सिनसिनाटी में खेले गए ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस सेमीफाइनल में इंटर मियामी की 4-0 की धमाकेदार जीत के साथ मेसी ने अपने करियर का एक और ऐतिहासिक मुकाम छू लिया जिसमें 1300 गोल (गोल + असिस्ट) शामिल हैं। क्लब और देश के लिए कुल मिलाकर 896 गोल और 404 असिस्ट के साथ मेसी ने अपने करियर को नए ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। यह उपलब्धि उन्हें आधुनिक फुटबॉल के इतिहास में एक अद्वितीय स्थान देती है।

MLS कप फाइनल की ओर इंटर मियामी की सबसे बड़ी जीत

इंटर मियामी ने FC सिनसिनाटी को हराकर पहली बार MLS कप ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस फाइनल में कदम रखा। मैच की शुरुआत से ही मियामी ने आक्रामक खेल दिखाया और पजेशन पर नियंत्रण बनाए रखा। 19वें मिनट में मिला पहला गोल टीम में जोश भरने वाला साबित हुआ। माटेओ सिल्वेटी के बेहतरीन क्रॉस को मेसी ने शानदार फिनिश में बदल दिया और मियामी को बढ़त दिला दी।

हमारे मौजूदा खिलाड़ियों को शारीरिक तौर पर और बेहतर होना होगा: साइना नेहवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन की मांगों पर खरा उतरने और प्रदर्शन में निरंतरता लाने के लिए अपनी शारीरिक फिटनेस बेहतर करने की सलाह दी है। लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता साइना ने बताया कि मौजूदा पीढ़ी के लिए चोटें आम बात हो गई है और महिला एकल खिलाड़ियों की नई जमात में आक्रामकता का अभाव है।

लीजैंड्स विजन लीगेसी टूर इंडिया के लिए शहर में आई साइना ने कहा, 'हमें प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। हमे सात्विक-चिराग, लक्ष्य या सिंधू या आने वाले खिलाड़ियों से लगातार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। हमे नतीजे चाहिए। उन्हें अच्छे ट्रेनर और फिजियो देखने चाहिए। अगर शरीर 100 फीसदी फिट है तो कोचिंग कठिन नहीं है। लगातार खिताब जीतने के लिए शरीर को मजबूत बनाने की कवायद में अधिक ट्रेनर और फिजियो पर फोकस करना होगा।'

साइना ने कहा, 'विक्टर एक्सेलसेन ने यही किया और कैरोलिना मारिन ने भी। मानसिक तैयारी तो सभी की अच्छी होती है लेकिन शारीरिक तौर पर और बेहतर होने की जरूरत है।' लक्ष्य सेन ने 2025 सत्र में पहला खिताब जीता जब उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराया। साइना ने कहा, 'जीत तो जीत है जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है। उसने इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह अच्छा संकेत है कि वह फॉर्म में लौट रहा है।'

उन्होंने कहा, 'उसने ओलंपिक में अच्छा खेला था और यहां भी। एक खिलाड़ी के तौर पर प्रशंसा और आलोचना दोनों का सामना करना पड़ता ही है। वह शीर्ष स्तर पर है और उससे लगातार जीत की अपेक्षा रहती है। वह इस समय हमारा सर्वश्रेष्ठ पुरूष खिलाड़ी है लिहाजा अतिरिक्त दबाव है लेकिन वह अच्छा खेल रहा है।'

साइना और पी वी सिंधू ने कम उम्र से ही अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतने शुरू कर दिये थे लेकिन महिला वर्ग में मौजूदा पीढ़ी की खिलाड़ी उस तरह का प्रभाव नहीं छोड़ पाई है। साइना ने कहा, 'शायद इस पीढ़ी में आक्रामकता कम है। मैं और सिंधू अधिक आक्रामक और ताकतवर थे। हम जब 18 बरस के हुए, तब तक अच्छे नतीजे मिलने लगे थे।'

यशराज की एक्शन फिल्म में हुई ऐश्वर्य ठाकरे की एंट्री

यशराज फिल्म्स की अगली बड़ी एक्शन-रोमांस फिल्म इन दिनों जबरदस्त सुर्खियों में है। वजह है शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के पोते ऐश्वर्य ठाकरे का इस फिल्म में एंट्री करना। खास बात यह है कि ऐश्वर्य पहली बार बड़े पर्दे पर कदम रख रहे हैं- वह भी सीधे विलेन के रूप में। उनकी टक्कर होगी नए जमाने के उभरते सितारे अहान पांडे से, जबकि शरवरी वाघ फिल्म की मुख्य अभिनेत्री होंगी। निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं बड़े कैनवस वाली फिल्मों के लिए मशहूर अली अब्बास ज़फर। फिल्म इंडस्ट्री में हर बार किसी नए चेहरे की एंट्री होती है, तो दर्शकों में उत्सुकता बढ़ जाती है। लेकिन इस बार मामला कुछ खास है, क्योंकि ऐश्वर्य ठाकरे का लॉन्च सीधे बड़े पैमाने की फिल्म में, एक मजबूत नेगेटिव किरदार के रूप में हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में उनका किरदार सिर्फ विरोधी नहीं, बल्कि कहानी की पूरी दिशा तय करने वाला बताया जा रहा है। वहीं अहान पांडे, जिन्हें हाल ही में 'सैयारा' से युवाओं में जबरदस्त पहचान मिली, इस फिल्म के हीरो हैं। सूत्रों के मुताबिक दोनों के बीच होने वाला क्लैश फिल्म का मुख्य आकर्षण होगा।

अहान पांडे की कड़ी तैयारी

यह प्रोजेक्ट सिर्फ एक बड़े कैनवस की कहानी नहीं, बल्कि कलाकारों के लिए भी बड़ा चैलेंज है। खबर है कि अहान पांडे फिल्म के लिए रोजाना कई घंटों की ट्रेनिंग लेते हैं। सुबह बॉक्सिंग से शुरू होने वाला सेशन धीरे-धीरे मार्शल आर्ट्स और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग तक जाता है।

उनकी ट्रेनिंग का लेवल देखकर साफ है कि फिल्म में हाई-इंटेंसिटी फाइट सीक्वेंस होंगे, जो बड़े पर्दे पर देखने लायक होंगे।
ऐश्वर्य ठाकरे का नाम राजनीति से लेकर ग्लैमर वर्ल्ड तक अक्सर चर्चा में रहा है। लेकिन पहली बार वे किसी बड़े प्रोजेक्ट में अभिनय करने जा रहे हैं, वह भी एक ऐसे किरदार के रूप में जो फिल्म के टोन को तय करेगा। फिल्म इंडस्ट्री के विशेषज्ञ कह रहे हैं कि अगर यह किरदार दर्शकों को पसंद आया, तो ऐश्वर्य को एक दमदार शुरुआत मिल सकती है।

'गुस्ताख इश्क' में हमने पूरी ईमानदारी से काम किया है

उम्मीद है कि दर्शक भी उतना ही प्यार देंगे

90 के दशक वाले प्यार की सादगी और गहराई को नए अंदाज में दिखाने वाली फिल्म 'गुस्ताख इश्क' जल्द ही रिलीज होने वाली है। विभु पुरी के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक ड्रामा में पहली बार फातिमा सना शेख और विजय वर्मा साथ नजर आएंगे। फिल्म में रिश्तों, प्यार और भावनाओं की जटिलताओं को पेश किया गया है। इसका खास आकर्षण गुलजार और विशाल भारद्वाज का संगीत है, जिसे दर्शक लेकर काफी उत्साहित हैं। हाल ही में फातिमा ने बातचीत में अपने अनुभव साझा किए।

90 के दशक की बहुत सी बातें याद आती हैं, खासकर उस दौर का सच्चा प्यार और जज्बात। आपको उस समय की कौन-सी बातें सबसे ज्यादा याद आती हैं?

बचपन में जब शाम के 7 बजे डिज्नी चैनल आता था, तो हम सब बच्चे खेलना छोड़कर टीवी देखने दौड़ पड़ते थे। उस वक्त न वीडियो गेम्स थे, न फोन। बस वही स्नेक वाला गेम होता था, वो भी पेरेंट्स के फोन पर। हर शाम दोस्तों के साथ बाहर खेलना और बातें करना सबसे मजेदार होता था। तब न ग्रुप चैट्स थीं, न ऑनलाइन डेटिंग। हम सब असली में मिलते थे, इसलिए वो दिन बहुत याद आते हैं।

आपका नसीरुद्दीन शाह के साथ काम करने का आपका अनुभव कैसा रहा?

मुझे बहुत मजा आया। शुरू में मैं नर्वस थी क्योंकि उनका काम देखकर सब प्रभावित होते हैं। लगा कि वो मेरी परफॉर्मेंस को जज करेंगे, इसलिए बेस्ट देना चाहती थी। लेकिन वो बहुत सपोर्टिव और केयरिंग हैं, हमेशा मदद करते हैं, इसलिए अनुभव बहुत अच्छा रहा।

आपके अपने को-एक्टर विजय वर्मा की कौन-सी बात सबसे अच्छी लगती है?

विजय बहुत समझदार, टैलेंटेड और अच्छे इंसान हैं। उनका सेंस ऑफ ह्यूमर शानदार है, जिससे हमारी अच्छी दोस्ती हो गई। मैं खुश हूं कि उनसे मुलाकात हुई।

आपकी फिल्म में गुलजार साहब, विशाल भारद्वाज और मनीष मल्होत्रा जैसे बड़े नाम जुड़े हैं। ट्रेलर को भी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है, इसे आप कैसे देखती हैं?

ट्रेलर और गानों को बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। इतने बड़े कलाकारों के साथ काम करना बहुत खुशी की बात है। मनीष सर ने भरोसा दिखाया, नसीर जी ने बहुत प्यार दिया और सबने मिलकर पूरी ईमानदारी से काम किया। अब उम्मीद है कि दर्शक भी फिल्म को उतना ही प्यार देंगे, जितने प्यार से हमने इसे बनाया है।

कोंकणा सेन शर्मा ने अपने अगले डायरेक्टोरियल प्रोजेक्ट के बारे में अपडेट दी

कोंकणा सेन शर्मा ने न सिर्फ एक अभिनेत्री बल्कि एक डायरेक्टर के तौर पर भी अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने साल 2016 में आई फिल्म डेथ इन द गंज का निर्देशन किया। वह लस्ट स्टोरीज 2 की सह-निर्देशक रहीं। अब एक्ट्रेस-डायरेक्टर ने अपने अगले डायरेक्टोरियल प्रोजेक्ट के बारे में अपडेट दी है। कॉमेडी फिल्म का निर्देशन करने वाली हैं अभिनेत्री अपने अगले प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी देते हुए कोंकणा सेन शर्मा ने बताया यह एक कॉमेडी शो है, जिसे मैं अपने कॉलेज के दोस्त जयदीप सरकार के साथ लिख रही हूं और इसका निर्देशन कर रही हूं। मैं इसे लेकर थोड़ी घबराई हुई हूं लेकिन इसके साथ हमें मजा आने वाला है। कई कलाकार अपने निर्देशन में बन रहे शो में काम करते हैं। ऐसे में कोंकणा सेन शर्मा से पूछा गया कि क्या वह अपने निर्देशन में बन रहे शो में काम करेंगी? इस पर उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं इसमें बतौर अभिनेत्री काम करूंगी। मेरे पास कई दूसरे अच्छे कलाकार हैं, इसलिए मैं चीजों को अपने लिए मुश्किल क्यों बनाऊं। मैंने देखा है कि कलाकार प्रोजेक्ट को खुद लिखते हैं और उसका निर्देशन करते हैं। हालांकि मेरे पास अभी वो काबिलियत नहीं है। कोंकणा सेन शर्मा ने फिल्म पेज 3 से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। हाल ही में वह साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म लाइफ इन ए मेट्रो के सीक्वल मेट्रो... इन दिनो में नजर आईं। इसमें पंकज त्रिपाठी, सारा अली खान, अली फजल, फातिमा सना शेख, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे कलाकार थे। इसका निर्देशन अनुराग बसु ने किया।

राहु केतु में कॉमेडी में रंग जमाते दिखेंगे पुलकित और वरुण;

अमित सियाल की एंट्री शानदार

कॉमेडी की डबल डोज लेकर पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा हाजिर हो गए हैं। हाल ही में उनकी अपकमिंग फिल्म 'राहु केतु' का टीजर रिलीज हुआ। इसमें सीरियस एक्टिंग के लिए मशहूर अमित सियाल भी नजर आए। टीजर में फिल्म की कहानी की झलक भी मिली। टीजर में पुलकित और वरुण धवन जब भी साथ होते हैं तो लोगों का नुकसान ही करते हैं। गांव में सभी इन्हें मनहूस मानते हैं। यह दोनों जिसकी जिंदगी में जाते हैं, उसके लिए मुश्किलों का दौर शुरू हो जाता है। टीजर में एक जगह पर राहु केतु का रेफरेंस भी दिखाया गया है।

अमित सियाल की दमदार एंट्री

आगे टीजर में अमित सियाल भी नजर आते हैं। वरुण और पुलकित का किरदार मिलकर अमित के कैरेक्टर की जिंदगी को मुश्किल बना देते हैं। आगे चलकर इनके बीच दुश्मनी भी दिखती है। इस कॉमेडी फिल्म में अमित सियाल का कैरेक्टर नेगेटिव नजर आता है।

कब रिलीज होगी फिल्म

फिल्म राहु केतु में पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा, अमित सियाल के अलावा शालिनी पांडे, पीयूष मिश्रा और चंकी पांडे भी नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन विपुल विग ने किया है। राहु केतु 16 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

....इसलिए पवन कल्याण को पसंद करती हैं राशि

अभिनेत्री राशि खन्ना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 120 बहादुर को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में कई तरह की भूमिकाएं निभाई हैं लेकिन कोई ऐसा कोई प्रोजेक्ट नहीं था, जिसकी स्क्रिप्ट पढ़े बिना उन्होंने साइन किया हो। हालांकि उन्होंने बताया कि तेलुगु फिल्म उस्ताद भगत सिंह की स्क्रिप्ट सुने बिना ही इसे साइन किया। एक इंटरव्यू में राशि खन्ना ने फिल्म उस्ताद भगत सिंह के बारे में कई बातें बताई हैं। उन्होंने अपने सह-कलाकार पवन कल्याण की भी तारीफ की है। अपनी अगली फिल्म उस्ताद भगत सिंह में काम करने के बारे में पूछे जाने पर, राशि ने बताया यह एकमात्र ऐसी फिल्म है जिसे मैंने बिना स्क्रिप्ट सुने साइन कर लिया। मैंने हां कह दिया क्योंकि यह पवन कल्याण की फिल्म है। मैं हमेशा से उनके साथ काम करना चाहती थी क्योंकि उनके पास स्टारडम है। मुझे पता है कि यह उनकी फिल्म है और मैं इसका हिस्सा हूं। मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है। कभी-कभी आप ऐसी फिल्में मशहूर होने के लिए करते हैं। पवन कल्याण के बारे में बात करते हुए राशि ने कहा मैं इस चीज को बहुत पसंद करती हूं कि वह महिलाओं के प्रति सम्मान रखते हैं। दूसरी बात यह है कि आम लोगों को भी वह बहुत प्रेम करते हैं। इन सबके अलावा वह एक बहुत अच्छे अभिनेता हैं। राशि ने आगे बताया उनकी कॉमिक टाइमिंग शानदार है। मैंने सेट पर ऐसी छोटी-छोटी चीजें देखीं, जिनसे मैं हैरान हो गई। मुझे नहीं लगता कि उन्हें पता है कि वो कितने अच्छे हैं। ये पहली बार था जब मैं किसी सेट पर किसी स्टार से इतना प्रभावित हुई।

युद्ध नहीं, कुर्बानी दिखाती है फिल्म

फरहान अख्तर की फिल्म 120 बहादुर का दर्शकों को काफी इंतजार था। यह फिल्म 21 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है। कई दर्शकों ने फिल्म को देखकर इस पर प्रतिक्रिया दी है। आइए जानते हैं दर्शकों को यह फिल्म कैसी लगी है?

यूजर को पसंद आया फरहान का अभिनय

एक यूजर ने 120 बहादुर और फरहान अख्तर की तारीफ की है। उन्होंने लिखा है क्या हम फरहान अख्तर की स्क्रीन प्रेजेंस के बारे में बात कर सकते हैं? हर फ्रेम, हर डायलॉग और हर झलक बहुत अच्छी है। इस फिल्म को सिर्फ उनके लिए देखा जाना चाहिए।

यूजर ने दर्शकों से की ये गुजारिश

एक यूजर ने फिल्म की तारीफ की है। उन्होंने लिखा है 120 बहादुर फिल्म देखी। बिना हवा के सपोर्ट के 118 जवान -30 डिग्री में आखिरी सांस और आखिरी गोली तक लड़े। यह फिल्म युद्ध नहीं कुर्बानी दिखाती है। फिल्म को जरूर देखें।

फिल्म देखें ताकि इतिहास न भूलें

एक यूजर ने फैंस से गुजारिश की है कि इस फिल्म को जरूर देखें ताकि आप रोजांग ला में सैनिकों की कुर्बानी और इतिहास न भूलें। एक दूसरे यूजर ने फिल्म में फरहान अख्तर की अदाकारी की तारीफ की है।

फरहान को बताया असली मेजर शैतान सिंह

एक और यूजर ने फिल्म में फरहान अख्तर के अभिनय की तारीफ की है। उन्होंने फरहान अख्तर को असल जिंदगी का मेजर शैतान सिंह बताया है। एक दूसरे यूजर ने फिल्म की तारीफ करते हुए इसे असली कहानी और असली भावना बताया है।

फिल्म की स्टारकास्ट

फिल्म 120 बहादुर में फरहान अख्तर, राशि खन्ना, स्पर्श वालिया, विवान भटेना, धनवीर सिंह, दिग्विजय प्रताप, साहिब वर्मा, अंकित सिवाच, देवेंद्र अहिरवार औप एजाज खान हैं। फिल्म को रजनीश राजी घई ने डायरेक्ट किया है।

फिल्म का नाम 120 बहादुर ही क्यों रखा गया?

17 नवंबर 1962 की रात जो हुआ, उसके बाद 18 नवंबर की सुबह तक जो भी हुआ, वो एक आदमी का अकेला काम नहीं था। एक आदमी था जो बहुत बढ़िया नेता था, बहादुर और डर के आगे नहीं झुकने वाला। उसने अपने सैनिकों में जोश और हौसला बढ़ाया, लेकिन लड़ाई में 120 सैनिक थे। इसलिए हमें लगा कि फिल्म का सही नाम होना चाहिए '120 बहादुर,' क्योंकि ये फिल्म पूरी कंपनी के बारे में है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एलीगेंस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 8, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व ग्राम मुबारिकपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/89483, मो0 9456884327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।